RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरुवार , 28 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 70 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को बताया वैध व संवैधानिक

एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग ने अपनी वैधानिक शक्तियों के बाहर काम नहीं किया

नई दिल्ली/एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने भारत में चुनाव प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में बुधवार को एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने के चुनाव आयोग के अधिकार को वैध और संवैधानिक बताते हुए कहा कि इसका सीधा संबंध निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने से है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग ने अपनी वैधानिक शक्तियों के बाहर काम नहीं किया। निर्णय में साफ तौर पर कहा गया कि एसआईआर की प्रक्रिया को केवल इसलिए चुनाव आयोग के अधिकार से बाहर नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह सामान्य संशोधन प्रक्रिया से अलग है। पीठ ने अपने निर्णय में कहा है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का मतलब सिर्फ वोट डालने की प्रक्रिया ही नहीं है, बल्कि यह मूल रूप से मतदाता सूचियों की सत्यनिष्ठा, सटीकता और विश्वसनीयता पर निर्भर करता है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव हैं। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वह चार सप्ताह के भीतर संदिग्ध नागरिकता के आधार पर मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम गृह मंत्रालय (केंद्र सरकार) को भेजे। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह फैसला उन याचिकाओं पर सुनाया है जिनमें पिछले साल जून में बिहार में एसआईआर कराने के लिए चुनाव आयोग की अधिसूचना और अधिकार को चुनौती दी गई थी। इस मामले में लंबी सुनवाई और सभी पक्षों की बहस के बाद पीठ ने इस वर्ष 29 जनवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

याचिकाकताओं ने किन बातों पर जताई थी आपत्ति

एसआईआर के खिलाफ याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि एसआईआर पूर्व की सूचियों में शामिल लोगों की नागरिकता की पूर्वधारणा को नकार देता है। याचिकाकताओं का कहना था कि एसआईआर प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और उससे जुड़े नियमों के तहत चुनाव आयोग को मिले अधिकारों के तहत नहीं आती है। याचिकाकताओं ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि यह शर्त गरीब, प्रवासी और हाशिए पर रहने वाले लोगों को मतदान अधिकार से वंचित कर सकती है, क्योंकि उनके पास पुराने रिकॉर्ड से जुड़ा दस्तावेजी प्रमाण मिलना मुश्किल है।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि रक्फ़ नागरिकता निर्धारण की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने का अभ्यास है, ताकि केवल पात्र नागरिक ही सूची में रहें।

क्या बिहार के बाहर भी प्रभावी होगा सुप्रीम फैसला? विवेचना बाकी

न्यायालय ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग ने बताया है कि बीते चार दशक से अधिक समय बाद गहन पुनरीक्षण की जरूरत है क्योंकि इस दौरान बड़े पैमाने पर बदलाव हुए हैं, तेज शहरीकरण और पलायन से मतदाता सूची में दोहराव/त्रुटियों की संभावना है। यह मतदाता सूची की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जरूरी है। अदालत के इस फैसले के बाद अब इस बात पर नजरें हैं कि क्या इस फैसले का असर दूसरे राज्यों में हुए विवाद पर भी पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि एसआईआर को लेकर विवाद बंगाल में एसआईआर को लेकर भी हुआ है।

एसआईआर पर कांग्रेस करें आत्मनिरीक्षण: भाजपा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया को पूरी तरह वैध करार देने के फैसले का भारतीय जनता पार्टी ने स्वागत करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस को मेहनत करने के साथ-साथ आत्मनिरीक्षण की भी जरूरत है। यह संवैधानिक धरातल पर विपक्ष और कांग्रेस पार्टी की पराजय है। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आज एसआईआर प्रक्रिया को पूर्णतः संविधान सम्मत सिद्ध कर दिया है। राजनीतिक पराजय के बाद और देश में अराजकता-अव्यवस्था उत्पन्न करने की नैतिक पराजय के बाद, अब संवैधानिक धरातल पर भी यह विपक्ष और कांग्रेस पार्टी की पराजय है। लांछित करने के सभी कुप्रयास आज सर्वोच्च न्यायालय के धरातल पर निष्फल सिद्ध हुए। एसआईआर प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान सम्मत माना है और चुनाव आयोग के अधिकार के अंतर्गत माना है। न्यायलय ने इसे निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक माना है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चुनाव आयोग पर कई सवाल खड़े हुए: कांग्रेस

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर की संवैधानिक वैधता को स्वीकार किया है, लेकिन फैसले में कई ऐसे बिंदु हैं जो चुनाव आयोग की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं। सिंघवी ने बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि नागरिकता तय करने का अंतिम अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। नागरिकता अधिनियम के तहत यह अधिकार सक्षम प्राधिकारी- जैसे गृह मंत्रालय के पास है। इसके बावजूद करोड़ों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए और उनका मताधिकार प्रभावित हुआ।

दिल्ली में 7.72 लाख से अधिक आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड जारी

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (एबी-पीएम-जेएवाई) के तहत राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में कुल 7,72,129 आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनमें 'वय वंदना योजना'(वीवीएस) के तहत 2 लाख 90 हजार 475 कार्ड और नॉन-वीवीएस श्रेणी के तहत 4 लाख 81 हजार 654 कार्ड शामिल हैं। इसके माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों और पात्र परिवारों को स्वास्थ्य सेवा कवरेज का लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एबी-पीएम-जेएवाई योजना के तहत स्वास्थ्य सेवा सहायता को और मजबूत कर रही है, जिसके अंतर्गत नागरिकों को 10 लाख रुपए तक का कैशलेस स्वास्थ्य कवरेज पाने के पात्र हैं।

इसमें केंद्र सरकार की एबी-पीएम-जेएवाई योजना के तहत 5 लाख रुपये का कवरेज और दिल्ली सरकार द्वारा दिया जाने वाला अतिरिक्त 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवरेज शामिल है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

योगी सरकार पर भारी पड़ गए खनन विभाग और उनके माफिया

किसके संरक्षण में बालू माफियाओं ने जांच टीम का रोका रास्ता चर्चा का विषय

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनपद में यमुना नदी के विभिन्न बालू घाट से माफियाओं द्वारा बुलडोजर मशीन पोकलैंड मशीन लगाकर यमुना नदी के बीच जलधारा से बालू का खुलेआम खनन किया जा रहा है यमुना नदी की जलधारा से खनन किए जाने पर खनन अधिकारी रोक नहीं लगा पा रहे हैं अवैध बालू खनन के मामले को शासन ने संज्ञान लिया और बालू के अवैध खनन को रोकने के लिए शासन ने कौशांबी में टीम भेजी लेकिन बालू के अवैध खनन की जांच करने के लिए टीम को यमुना नदी के घाटों तक नहीं पहुंचने दिया गया है ट्रक और डंपर लगाकर जांच टीम का रास्ता रोक दिया है जिससे बालू के अवैध खनन की जांच नहीं हो सकी है और माफियाओं द्वारा यमुना नदी की जलधारा से पोकलैंड मशीन जेसीबी मशीन लगाकर लगातार भालू का खनन किया जा रहा है अब सवाल उठता है कि बालू माफियाओं को इतना संरक्षण देने वाला कौन है जिससे शासन द्वारा भेजी गई जांच टीम जांच पूरी नहीं कर सकी है और अवैध खनन पूरी तरह से हो रहा है शासन की टीम को यमुना नदी के घाट तक जाने से माफियाओं के रोकने के पीछे खनन अधिकारी की भी भूमिका सवालों के घेरे में है पूरे वर्ष खनन अधिकारी बालू खनन को नहीं रोकते हैं और जब शासन की टीम बालू के अवैध खनन की जांच करने पहुंची तो उसका रास्ता रोक दिया गया है खनन अधिकारी और बालू माफियाओं के गहरे रिश्ते हैं पूरे दिन खनन विभाग में बालू माफियाओं का जमावड़ा लगाया रहता है जिसका प्रमाण विभाग में लगे सीसीटीवी कैमरा कर रहा है बालू माफियाओं के संरक्षण के चलते बीते दिनों होमगार्ड से विभाग में विवाद भी हुआ था जिसका मंझनपुर कोतवाली में मुकदमा भी दर्ज हुआ है बालू के अवैध खनन पर माफियाओं का कब्जा इस कदर हावी है कि जिम्मेदार अधिकारी भी बेबस नजर आ रहे हैं। ताजा मामला मंझनपुर तहसील के कटैया घाट का है,जहाँ जांच करने पहुंची खनन विभाग की टीम को माफियाओं ने रास्ते में ही रोक दिया। टीम को बिना जांच किए बैरंग लौटना पड़ा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक खनन अधिकारी कटैया घाट के खंड संख्या 10/19 से 10/21 में अवैध खनन की शिकायत पर जांच करने पहुंचे थे। आरोप है कि जैसे ही टीम घाट की तरफ बढ़ी,रास्ते में पहले से डंपर ट्रक खड़ा कर रास्ता बंद कर दिया गया।आरोप है कि सत्ता पोषित माफिया मनीष ओझा ने अपने लोगों के साथ रास्ते में डंपर ट्रक लगवाकर जांच टीम को रोक दिया। मनीष ओझा को पट्टा धारक विजय कुमार सिंह का प्रतिनिधि बताया जाता है। रास्ता रोकने के बाद मनीष ओझा ने अपने गुर्गे फरीद बाबा को समर्थकों के साथ मौके पर बुला लिया।आरोप है कि जांच टीम पर दबाव बनाने के लिए मौके पर दर्जनों गुंडों को उतार दिया गया। अधिकारी की गाड़ी के आसपास घंटों तक दबंगों का जमावड़ा लगा रहा। नारेबाजी और हंगामे के बीच तमाम कोशिशों के बाद भी टीम को घाट तक नहीं जाने दिया गया। आखिरकार अधिकारियों को बिना जांच किए ही वापस लौटना पड़ा।इस घटना के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर खनन माफियाओं को संरक्षण कौन दे रहा है? क्या जिले में प्रशासन का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है? या फिर सरकारी सिस्टम में ही माफियाओं की गहरी पैठ हो चुकी है? घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि जब अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता का क्या होगा। विपक्षी दलों ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।फिलहाल इस मामले में प्रशासन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के मुताबिक शासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए डीएम से रिपोर्ट तलब की है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है की शासन द्वारा भेजी गई जांच टीम की गोपनीयता के रास्ते को बालू माफिया तक पहुंचने वाला खनन विभाग का विभीषण कौन है जिसने जांच टीम के लोकेशन की गोपनीयता को भंग किया है जिससे शासन भी जांच करने में सफल नहीं हो सका है।

मुकेश त्रिपाठी बनें राष्ट्रवादी जनसंग्रह पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव

राष्ट्रीय महासचिव(संगठन) बनने पर समर्थकों मे खुशी की लहर

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। शिव सेना शिन्दे गुट के पूर्व कौशाम्बी जिला अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी को राष्ट्रवादी जन संग्रह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने पार्टी में अहम भूमिका और पार्टी के उत्थान की जिम्मेदारी देते हुए राष्ट्रीय महासचिव(संगठन) का विशेष स्थान दिया, मुकेश त्रिपाठी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पार्टी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही पार्टी का विस्तार आरंभ होगा और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी युद्ध स्तर पर की जाएगी,राष्ट्रीय महासचिव संगठन नियुक्त होने पर मुकेश त्रिपाठी के समर्थको मे खुशी की लहर है और पार्टी के राष्ट्रीय विधिक सलाहकर रत्नेश शुक्ला और राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष पाण्डेय तथा जिले के उमाकांत ओझा, विकास मिश्र, सत्यम त्रिपाठी, भरत मिश्र, सुशील मिश्र, उपेंद्र गर्ग, शिवम ओझा आदि लोगो ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, नगदी बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना लल्लौली पुलिस द्वारा चोरी से सम्बन्धित अभियुक्त मनोज उर्फ मझोली पुत्र विजयपाल निवासी इमलिया डेरा मजरा अढावल थाना लल्लौली जनपद फतेहपुर उम्र करीब 25 वर्ष को भैंस चोरी की बिक्री का शेष धन- 4200/- रुपये के साथ किया गया गिरफ्तार ।

पुलिस द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाने के 4 वांछित गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना चाँदपुर पुलिस द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाने से सम्बन्धित 4 वांछित अभियुक्तगण छोटू उर्फ अर्पित पुत्र स्व0 गोविन्द निवासी ग्राम निहरापारा थाना सजेती कानपुर नगर, पिंकी पुत्री स्व0 गोविन्द पत्नी विजय . विजय पुत्र प्रीतम .रिंकी पत्नी सत्यनारायण निवासीगण ग्राम कुलखेडा थाना चांदपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट व 66(ई) आई0टी0 एक्ट थाना हथगांव जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शोभित यादव पुत्र छोटेलाल निवाली ग्राम खरहरा थाना हथगांव जनपद फतेहपुर उम्र करीब 19 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

बकरीद त्यौहार को लेकर डीएम और एसपी ने फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का कराया एहसास

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के साथ मय पुलिस बल के आगामी बकरीद (ईद-उल-अजहा) पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु थाना कोतवाली नगर क्षेत्रांतर्गत भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान आम जनमानस में सुरक्षा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से भारी पुलिस बल की उपस्थिति में लोगों को शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में पर्व मनाने का संदेश दिया गया। साथ ही आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ सम्पन्न कराने की अपील की गई।

एसएसपी द्वारा आगामी बकरीद पर्व के दृष्टिगत थाना खुर्जा नगर क्षेत्र में किया पैदल मार्च

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। बुधवार को आगामी बकरीद पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा थाना खुर्जा नगर क्षेत्रान्तर्गत ईदगाह एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया गया तथा आमजन को सुरक्षा का एहसास कराया गया।

एसएसपी द्वारा पैदल मार्च के दौरान प्रमुख मार्गों, बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं थाना पुलिस को पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सतर्क दृष्टि रखने एवं किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन , क्षेत्राधिकारी खुर्जा शोभित कुमार, प्रभारी निरीक्षक खुर्जा नगर रामफल सिंह पुलिस बल के साथ उपस्थित रहे।

प्रधानों को शासन द्वारा प्रशासक नियुक्त किए जाने से ग्राम पंचायत में विकास कार्यों की बनी रहेगी निरंतरता-धर्मराज

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। शासन द्वारा ग्राम पंचायत के प्रधानों के कार्यकाल पूर्ण होने के बाद प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने पर प्रधान संघ के अध्यक्ष सहित एक दर्जन से अधिक ग्राम प्रधानों ने जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य से किया भेंट।

जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने उपस्थित ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त होने पर बधाई देते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत शासन के निर्देश पर ग्राम पंचायतों में वर्तमान प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किया गया है इस निर्णय के बाद गांवों में विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहेगी तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के ग्रामीणों तक पहुंचता रहेगा।

आप सभी को प्रशासक के रूप में नियुक्त होना केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि गांव की सेवा का एक नया अवसर है।प्रशासक के रूप में निवर्तमान प्रधानों के अधिकार सीमित रहेंगे। वे केवल ग्राम पंचायतों के सामान्य कार्यों का ही निर्वहन करेंगे। वह कोई नया नीति विषयक निर्णय नहीं ले सकेंगे।

यदि कोई अत्यंत आवश्यक और विशेष स्थिति उत्पन्न होती है,तो नीतिगत फैसले से जुड़े प्रस्ताव जिला पंचायतराज अधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे और उनकी स्वीकृति के बाद ही लागू होंगे। विधानसभा सिराथू के कड़ा ब्लॉक के प्रधान संघ अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा,नेवादा ब्लॉक के प्रधान संघ अध्यक्ष ततस्त ओझा के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में ग्राम पंचायत के प्रधानों ने मिलकर शुभकामनाएं प्रेषित किया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का उद्देश्य आधुनिक,आत्मनिर्भर,लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में स्थापित करना था- गौरव

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। मंझनपुर में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में पार्टी मुख्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि के मौके पर पहले उनकी छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

इसके पश्चात एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसमें उनके द्वारा किए गए महान कार्यों का स्मरण किया गया इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि पण्डित जवाहर लाल नेहरू जी आधुनिक,आत्मनिर्भर, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में स्थापित करना था वह स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत के निमार्ता थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई और बाद में देश के औद्योगिक, वैज्ञानिक,शैक्षणिक एवं संस्थागत विकास की मजबूत नींव रखी।

उन्होंने देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए IIT (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) और IIM (भारतीय प्रबंधन संस्थान) जैसे विश्व स्तरीय संस्थानों की नींव रखी। कार्यक्रम में मुख्य रूप जिला उपाध्यक्ष उदय यादव,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला शशि त्रिपाठी,जिला सचिव हेमन्त कुमार रावत,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,ब्लाक अध्यक्ष रावेंद्र यादव,रमेश यादव,गोलू जायसवाल,सचिन दिवाकर, ज्ञान बाबू दिवाकर,कल्लू रैदास,मोहमद अल्ताफ,उबैद अहमद,साकेत मिश्रा,अजय गोस्वामी,नोखे लाल यादव विकास पाल,सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों के साथ की बैठक, सुनी जनसमस्याएं

हनुमान प्रसाद शुक्ल

कौशांबी । बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कौशाम्बी स्थित दुर्गा भाभी सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्रीमती अमिता सिंह की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी में जनपद के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्रों के सराफा व्यापारी, उद्योगपति, मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं स्थानीय व्यापारीगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यापारियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने, रात्रि गश्त बढ़ाने, पुलिस-व्यापारी समन्वय को मजबूत करने तथा हेल्पलाइन नंबरों के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया। साथ ही सभी व्यापारियों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह उपस्थित रहे।

सीओ लाइन ने परेड का किया निरीक्षण

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । क्षेत्राधिकारी लाइन/कौशाम्बी जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय द्वारा पुलिस लाइन कौशाम्बी में बुधवार की परेड की सलामी ली गई। इस अवसर पर टोलीवार परेड का निरीक्षण कर परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों के टर्नआउट का अवलोकन किया। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों की दौड़ एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई।

परेड उपरांत द्वारा पुलिस लाइन स्थित मेस , आरटीसी बैरकों, प्रशिक्षण कक्ष, विभिन्न शाखाओं, डीसीआर, शस्त्रागार, डायल-112 कार्यालय, परिवहन शाखा, प्रतिसार निरीक्षक कार्यालय, पुलिस बैरकों आदि का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

दो बाइक की आमने–सामने भिड़ंत दो युवकों की मौत, एक गंभीर

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के तिल्हापुर गांव के पास बुधवार की दोपहर 11:00 बजे तेज रफ्तार दो बाइक सवार आमने-सामने टकरा गए हैं टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक में सवार लोग सड़क पर गिर पड़े और दोनों बाइक के चालक की घटना स्थल पर तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई है दुर्घटना देख कर आसपास के सैकड़ो लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटना में मृतक दोनों लोगों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वही दुर्घटना में घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही दोनों बाइक सवार के परिवार के लोग घटना स्थल पर पहुंच गए हैं मौके पर कोहराम मचा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक पिपरी थाना क्षेत्र के फरीदपुर माजरा औंधन गांव निवासी रमेश साहू उम्र 40 वर्ष पुत्र पुत्तन साहू अपने बेटे शिवांश साहू को साथ लेकर बाइक से पुरखास स्थित गैस एजेंसी में सिलेंडर रिफिल करवाने जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार सराय अकिल थाना क्षेत्र के तिल्हापुर गांव स्थित सुंदरलाल द्विवेदी के नलकूप के पास पहुंचे सामने से आ रहे बाइक सवार जय नारायण पाल उम्र 19 वर्ष पुत्र रमेश निवासी बिरनेर की बाइक से जोरदार टक्कर हो गई दुर्घटना में पिता पुत्र सहित तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े और तड़पने लगे देखते देखते रमेश साहू और जय नारायण पाल की घटनास्थल पर तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई है।

दुर्घटना देखकर आसपास के सैकड़ो लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है इस दुर्घटना में घायल शिवांश साहू को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बताई जाती है दुर्घटना के बाद दोनों परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बाइक चोर गिरफ्तार, कब्जे/निशांदेही से चोरी की 03 मोटरसाइकिल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत बुधवार को थाना अनूपशहर पुलिस द्वारा एक अभिसूचना के आधार पर गंगापुल से शातिर वाहन चोर को चोरी की 1 मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशांदेही पर कस्बा अनूपशहर से चोरी की 2 मोटरसाइकिल बरामद की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता

तुषार पुत्र चन्द्रमणि निवासी ग्राम अम्बा थाना अनूपशहर जनपद बुलन्दशहर । गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का वाहन चोर हैं। जो जनपद में मोटरसाइकिल चोरी करता हैं। फिर उन्हें बेचकर आर्थिक व भौतिक लाभ अर्जित करता हैं। अभियुक्त से बरामद चोरी की मोटरसाइकिलो मे से 02 मोटरसाइकिल को कनेक्ट किया गया है तथा शेष बरामद 01 मोटरसाइकिल को कनेक्ट करने का प्रयास किया जा रहा है।

चार घण्टे की मशक्कत के बाद मिला चार्ज

मेडिकल कालेज के प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार डॉ. अजय वर्मा को

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज के एसआरएन मेडिकल कालेज में पिछले दिनों हुए डाक्टर और अधिवक्ताओं के बवाल के बाद मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा वीके पाण्डेय को आज पद से हटा कर अस्थि रोग विभाग के आचार्य डॉ. अजय कुमार वर्मा को अग्रिम आदेशों तक राजकीय मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के पदेन प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह आदेश चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1 की ओर से जारी किया गया है।

आज चार घण्टे की मशक्कत के बाद किसी तरह पूर्व प्रधानाचार्य डा वीके पाण्डेय ने देर रात नौ बजे नवनियुक्त प्राचार्य डा अजय कुमार वर्मा को चार्ज मिला।

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि डॉ. वर्मा को इस अतिरिक्त दायित्व के लिए अलग से कोई अतिरिक्त वेतन अथवा भत्ता देय नहीं होगा। साथ ही उन्हें तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह आदेश 26 मई 2026 को लखनऊ से चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी किया गया। आदेश पर विशेष सचिव कार्तिकेय वर्मा के हस्ताक्षर हैं।आदेश की प्रतिलिपि उप मुख्यमंत्री (चिकित्सा शिक्षा), राज्य मंत्री चिकित्सा शिक्षा, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, आयुक्त प्रयागराज मंडल, जिलाधिकारी प्रयागराज सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेज दी गयी है।

उधर, आज देर शाम अस्थि रोग विभाग के आचार्य डॉ. अजय कुमार वर्मा ने मेडिकल कालेज पहुंच कर कार्यभार संभाल लिया है।

मेडिकल कालेज के वरिष्ठ प्रोफासर, उप्र वैचारिक शिक्षक वेलफेयर एशोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डा ज्ञान प्रकाश सिंह, विनोद कुमार, भूपेन्द्र सिंह, मनीष कुमार, रमाकांत सिंह, चन्द्र प्रकाश वर्मा, मनीष कुमार सिंह सहित अन्य लोगों ने बधाई दिया है।

डीएम की समीक्षा में "बीमार" मिला स्वास्थ्य विभाग

आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने की खराब प्रगति पर नाराज, प्रतिदिन 200 गोल्डन कार्ड बनाया जाए

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को सीएचसी में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ एवं सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाने के प्रगति की समीक्षा करते हुए नाराजगी जाहिर की। कहा, आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने की प्रगति काफी धीमी है। डीएम ने निर्देश दिए हैं कि आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रतिदिन संख्या 200 से कम नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में प्रयागराज जिला पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहे और ज्यादा से ज्यादा लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। इसमे किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं की जाएगी।

खराब रैंकिंग पर गुस्साए कलक्टर

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आयुष्मान गोल्डन कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए जनपद की खराब रैंकिंग पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्त चिकित्सा अधीक्षकों को चेतावनी दी। कहा, ढिलाई करने वाले चिकित्सा अधीक्षकों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने सीडीओ को आयुष्मान कार्ड बनाने के प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा करने का भी निर्देश दिया।

जननी सुरक्षा कार्यक्रम की परख में सीडीओ ने भी असंतोष जताया

बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए हुए मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने जननी सुरक्षा कार्यक्रम में निम्नतम उपलब्धि वाले ब्लॉक रामनगर. सोराव, बहादुरपुर, चाका, कौधियारा, सैदाबाद एवं मांडा के चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देशित किया कि शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओ की सूची आशाओं में माध्यम से बनवाते हुए उनका प्रसव सरकारी चिकित्सालयों में करवाना सुनिश्चित करें. लापरवाही करने पर सम्बंधित चिकित्सा अधीक्षक के खिलाफ सख्त कार्यवाही किया जायेगा.

फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) सीएचसी में हुए सिजेरियन प्रसव की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने सीएचसी कोराव एवं हंडिया में माह अप्रैल 2026 में क्रमशः 6-6 सिजेरियन प्रसव होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि सिजेरियन प्रसव करने में रूचि नहीं लेने वाली सम्बंधित स्त्री रोग विशेषज्ञ के खिलाफ कार्यवाही करना सुनिश्चित करें. उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा गर्भवती महिलाओं का संस्थागत प्रसव ही कराया जाए। जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों का भुगतान की प्रगति अत्यन्त असंतोषजनक पाए जाने पर सीडीओ ने समस्त ब्लॉक लेखा प्रबंधकों का वेतन संतोषजनक प्रगति होने तक रोकने का निर्देश दिया।

सीडीओ ने चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वे समस्त मातृ मृत्यु एवं बाल मृत्यु की अनिवार्य रूप से रिपोर्टिंग सम्बंधित पोर्टल पर कराना सुनिश्चित करें ताकि मृत्यु के कारणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही किया जा सके।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की क्रियाशीलता की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सीएचओ द्वारा किए जा रहे ई -संजीविनी तथा ओपीडी की रैंडम जांच करने का निर्देश दिया। लंबे समय से अनुपस्थित सीएचओ की संविदा सेवा समाप्त करने का निर्देश सीएमओ को दिया।

आरबीएसके कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने मेडिकल मोबाइल टीमों को गाड़ी समय उपलब्ध नहीं कराने की शिकायत पर वेंडर को काली सूची में डालते हुए नया टेंडर करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अरुण कुमार तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फूलपुर में प्रधानों ने संघ के अध्यक्ष के निधन पर किया शोक सभा

अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन ने संघ के अध्यक्ष को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। ब्लॉक सभागार फूलपुर में शुक्रवार को अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी एवं प्रदेश सचिव जगदीश कुमार गुप्ता के नेतृत में जूट कर फूलपुर प्रधान संघ अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार भारतीय के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया। जिसमे सभी प्रधानों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान संघ के प्रदेश सचिव जगदीश कुमार गुप्ता ने कहा कि योगेन्द्र कुमार भारतीय एक कर्मठ, जुझारू, और संघर्षशील नेत्तृत करता के रूप में प्रधानों की समस्याओं को लेकर हमेशा आगुवाई करते थे। जो आज हमारे बीच नहीं रहे। इससे प्रधान संघ को अपूर्णीय क्षति हुई है। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघठन के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी ने कहा की बीते 18 मार्च को योगेन्द्र भारतीय के नेत्तृत में फूलपुर से दर्जनों ग्राम प्रधान लखनऊ पहुंच कर अपनी आवाज बुलंद किए थे। उन्होंने कहा की योगेन्द्र भारतीय जैसा बोल्डली एवं क्षमतावान नेतृत करता। फूलपुर में मिल पाना कठिन है। श्री त्रिपाठी ने कहा की योगेन्द्र भारतीय हमेशा ग्राम प्रधानों के समस्याओं को लेकर के संघर्ष करते रहे। जिससे उनकी लोकप्रियता समाज से लेकर जनप्रतिनिधियों के बीच यादगार के रूप में बनी रहेगी। इस दौरान सभी ग्राम प्रधानों एवं ब्लॉक के अधिकारियों , कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए। उनकी आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किए। इस मौके पर ग्राम पंचायत विकास अधिकारी कृष्णा प्रसाद सिंह एवं ग्राम प्रधान यशवंत यादव , मौजी लाल रावत, राम चन्द तूफानी , अजीत पटेल , धर्मपाल बिंद , अनूप बिंद , कमलेश यादव , महेन्द्र पटेल , कमलेश पटेल , तुलसी राम यादव, जय सिंह यादव, राकेश बिंद आदि दर्जनों ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

चौकी प्रभारी सिकंदरा ने दो चोर को किया गिरफ्तार, दो मोटरसाइकिल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत के निर्देश पर बहरिया पुलिस चोरी लूट के अपराधियों की तलाश में मुखबिर की सूचना पर चोरी के दो आरोपी को गिरफ्तार मोटरसाइकिल बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

थानाध्यक्ष बहरिया मानवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि चोरी के आरोपियों की तलाश में चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो वांछित अभियुक्त दिनेश प्रकाश सरोज पुत्र कल्लू राम निवासी बजाही थाना बहरिया. श्यामू मंगता पुत्र बाबू लाल निवासी सिलोखरा थाना बहरिया को थाना क्षेत्रान्तर्गत चैमलपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास से मुकदमा उपरोक्त में चोरी हुई मोटरसाइकिल सुपर स्पेलेंडर वाहन व मोटरसाइकिल हीरो स्पेलेंडर प्लस वाहन थाना मऊआइमा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-145/26 धारा 303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित) के साथ गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

अनुराग शर्मा, चौकी प्रभारी सिकन्दरा. उ0नि0 शिवाकान्त वर्मा, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

सरायइनायत पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी प्रयागराज। पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना सरायइनायत पुलिस द्वारा बुधवार को न्यायालय से वारण्टी अभियुक्त मो0 जलाल उर्फ जलालुद्दीन पुत्र मो0 आलम फारुकी निवासी शेख अहमदपुर थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना थरवई क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम शेख अहमदपुर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

चौकी प्रभारी राजेश कुमार चौबे, का0 राहुल यादव, थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बकरीद त्यौहार के दृष्टिगत एसपी व एएसपी द्वारा कस्बा मंझनपुर में किया पैदल गस्त

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । आगामी त्यौहार बकरीद के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण द्वारा थाना मंझनपुर क्षेत्रांतर्गत कस्बा मंझनपुर में पैदल गस्त किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी अमिता सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह भी उपस्थित रहे।

पैदल गस्त के दौरान बाजार, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। साथ ही आमजन एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की अपील की गई।

इस दौरान संबंधित पुलिस बल मौजूद रहा।

बकरीद को लेकर पुलिस अलर्ट, गांवों और ईदगाहों में किया फ्लैग मार्च

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए पुरामुफ्ती पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आई। मंगलवार को सहायक पुलिस आयुक्त धूमनगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अविनाश कुमार सिंह ने पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र के हटवा, अहमदपुर असरौली, तिवारी तालाब समेत विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों का भ्रमण किया।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। लोगों को त्योहार के दौरान अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए गए।

पुलिस टीम ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए लोगों को जागरूक भी किया। वहीं असरौली निवासी एचएस चंदन के घर दबिश देकर पूछताछ की गई, लेकिन वह घर पर नहीं मिला।

धूमनगंज पुलिस का कहना है कि बकरीद को लेकर क्षेत्र में लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराया जा सके।

पाठ्यपुस्तकें सबसे महत्वपूर्ण शिक्षण सामग्री : भगवती सिंह

छात्र स्वयं अध्ययन कर अपनी सीखने की क्षमता को बनाएंगे बेहतर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नौ एवं 10 के विद्यार्थियों के लिए स्व - अध्ययन माड्यूल तैयार करने के उद्देश्य से उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी बोर्ड) एवं एजुकेट गर्ल्स संस्था ने विषय वस्तु विकास संबंधी दो दिवसीय कार्यशाला सिविल लाइंस में आयोजित की गयी। इस माड्यूल से छात्र-छात्राएं स्वयं अध्ययन कर अपनी सीखने की क्षमता को बेहतर बना सकेंगे। प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित कर पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा, विषय आधारित गतिविधियों तथा स्व-अध्ययन सामग्री के निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने चर्चा के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया कि पाठ्यपुस्तकों

में किस प्रकार के बदलाव विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं।

कार्यशाला में यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने कहा कि पाठ्यपुस्तकें सबसे महत्वपूर्ण शिक्षण सामग्री हैं। ऐसे में पाठ्यपुस्तकों का विद्यार्थी केंद्रित तथा सार्थक अधिगम को प्रोत्साहित करने वाला होना जरूरी है। उन्होने कहा कि यह कार्यशाला इस दृष्टि से उपयोगी है कि राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा के विकास के उपरांत जिन पाठ्यपुस्तकों का विकास यूपी बोर्ड के स्तर से होता है, उसे इस प्रक्रिया से और अधिक छात्र केंद्रित तथा स्व-अध्ययन आधारित बनाया जा सकेगा।

अपर शिक्षा निदेशक (पत्राचार) सीएल चौरसिया ने कार्यशाला का मार्गदर्शन किया। यूपी बोर्ड में अपर सचिव (प्रशासन) सत्येंद्र कुमार सिंह ने कार्यशाला की रूपरेखा तैयार की थी। उप सचिव श्रृचा श्रीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उप सचिव शालिनी यादव, पत्राचार शिक्षा संस्थान के रवीन्द्र नाथ एवं विषय विशेषज्ञ, परिषद के शोध सहायक व विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए। एजुकेट गर्ल्स से कार्यक्रम निदेशक गीतिका टंडन हिग्गिंस ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुलिस लाइन में बुक फेयर, समर कैंप एवं आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस लाइन कौशांबी में अध्यक्ष वामा सारथी शोभा वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण की उपस्थिति में पुलिस लाइन मनोरंजन कक्ष में पुलिस परिवार के बच्चों के लिए बुक फेयर का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को रियायती दर पर ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं। प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, कहानी, उपन्यास एवं अन्य शिक्षाप्रद पुस्तकें शामिल रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में पठन-पाठन के प्रति रुचि विकसित करना एवं ज्ञानवर्धन को प्रोत्साहित करना रहा।

इसी क्रम में पुलिस लाइन में आयोजित समर कैंप के अंतर्गत बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं टीम वर्क की भावना विकसित करने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कैंप में बच्चों एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा एवं एकाग्रता बढ़ाने के लिए योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही रचनात्मक कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से कलश पेंटिंग एवं आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षण के उपरांत पेंटिंग एवं क्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। वामा सारथी द्वारा बच्चों को पुस्तकें भी वितरित की गईं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक देव पाल, प्रभारी वेलफेयर शाखा रतन सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं पुलिस कर्मियों के परिवारीजन उपस्थित रहे।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विशेष संपर्क अभियान की तैयारी

अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करें कार्यकर्ता – महानगर अध्यक्ष

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगी भाजपा ने प्रयागराज महानगर की तीनों विधानसभा सीटों पर विशेष संपर्क अभियान की योजना तैयार की है। इसके अलावा 5 से 21 जून तक प्रदेश व केंद्र नेतृत्व द्वारा दिये गये विभिन्न अभियानों को लेकर भी चर्चा परिचर्चा की गई। सिविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय में महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता की अध्यक्षता में महानगर पदाधिकारियों की आहुत बैठक में महानगर अध्यक्ष ने विस्तार से आगामी दिनों में चलाए जाने वाले अभियानों

की जानकारी देते हुए इस पर विस्तार से चर्चा की। अभियान की शुरूआत 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम से होगी। मंडल स्तर पर इसका आयोजन किया जाएगा। 8 से 14 जून तक तीनों विधानसभा क्षेत्रों (शहर उत्तरी, पश्चिमी एवं शहर दक्षिणी) में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। हर विधानसभा क्षेत्र से कम से कम 50 लोगों के नाम जो विभिन्न कार्यक्षेत्र वर्ग के हों उनसे संपर्क कर उनके घर पर चाय पर चर्चा उन्हें सम्मानित करने की योजना बनाई गई है। 11 से 13 जून प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन, 14 से 16 जून तक ब्लाक स्तर पर जनकल्याण शिविर, 17 जून को विकसित भारत संकल्प सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का आयोजन,19 जून को ग्रामीण क्षेत्र में प्राकृतिक खेती पर कार्यशाला व 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जायेगा। इन सभी अभियानों को लेकर जिला अभियान समिति का गठन किया गया है जिसके सयोंजक महानगर महामंत्री विक्रमजीत भदौरिया बनाए गये हैं। बैठक में डॉ शैलेश पांडेय, रमेश पासी, कुंज बिहारी मिश्रा, अनुज कुशवाहा, प्रमोद मोदी, अरुण पटेल, विजय श्रीवास्तव, अजय सिंह, सचिन जायसवाल, दीप द्विवेदी, विपुल मित्तल, वंदना शर्मा, कंचनलता, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, विश्वास श्रीवास्तव, अजय राय, प्रियंका पाराशर, सुजीत कुशवाहा, मयंक दुबे, मनोज मिश्रा, राजू सिंह पटेल, पीयूष जायसवाल उपस्थित रहे।

नए यमुना पुल से महिला समेत दो ने लगाई छलांग, पीएसी जवानों ने बचाई जान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नए यमुना पुल पर बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब महिला समेत दो लोगों ने अलग-अलग समय पर यमुना नदी में छलांग लगा दी। मौके पर तैनात पीएसी जवानों की सतर्कता से दोनों की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार, करेलाबाग निवासी एक महिला ने नए यमुना पुल से नदी में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। महिला को नदी में गिरते देख पुल पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात पीएसी जवान तुरंत नदी में उतरे और काफी मशक्कत के बाद महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

इसी बीच बलुआघाट निवासी एक युवक ने भी पुल से छलांग लगा दी। लगातार दूसरी घटना से पुल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीएसी जवानों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को भी सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया।

दोनों की हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

सूचना पर कीडगंज पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी प्रीतम तिवारी ने बताया कि दोनों ने किन परिस्थितियों में नदी में छलांग लगाई, इसकी जांच की जा रही है। दोनों से पूछताछ की जा रही है तथा परिजनों को सूचना दे दी गई है।

दलित की जमीन पर दबंग कर रहे हैं कब्जा

नवाबगंज। थाना क्षेत्र के एक गांव के दलित परिवार की जमीन पर गांव के ही दबंग लोग कब्जा कर रहे थे, जब दलित पीड़ित ने मना किया तो दबंगों ने जान से मारने की धमकी दिए, परेशान भुक्तभोगी ने नवाबगंज थाने में तहरीर दी पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के अनापुर गांव निवासी मुन्नालाल की जमीन पर दबंगों द्वारा 25 मई को जबरन कब्जा किया जा रहा था। इस दौरान जब मुन्ना लाल ने रोका तो गांव के ही 6 दबंगों ने मिलकर मुन्नालाल को जान से मारने की धमकी दिया। जिससे उसको चोटे आई।

इस दौरान पीड़ित मुन्नालाल ने नवाबगंज थाने पहुंचकर गांव के ही नाम 6 लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की। वही पीड़ित परिवार ने कहा कि यदि न्याय नहीं मिलेगा तो इसकी शिकायत पुलिस कमिश्नर प्रयागराज से की जाएगी।

दोस्तों के साथ नहाने गया युवक यमुना में डूबा, मौत

बकरीद से पहले घर का इकलौता सहारा बुझा, दो बहनों के भाई की मौत से मातम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र में दोस्तों के साथ यमुना स्नान करने गया एक युवक नदी में डूब गया। काफी तलाश के बाद उसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बकरीद से एक दिन पहले हुए इस हादसे से परिवार में कोहराम मच गया।

करेली के हड्डी गोदाम निवासी 18 वर्षीय कलीम पुत्र स्वर्गीय सलीम घर का इकलौता बेटा था। पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी, ऐसे में वह प्राइवेट काम कर परिवार का सहारा बना हुआ था। कलीम की दो बहनें हैं।

पुलिस के मुताबिक बुधवार दोपहर कलीम अपने तीन-चार दोस्तों के साथ जल संस्थान के पीछे बालू मंडी के पास यमुना में नहाने गया था। बताया जा रहा है कि उसे तैरना नहीं आता था। नहाते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया।

दोस्तों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसकी तलाश शुरू की गई। सूचना मिलते ही करेली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ देर बाद कलीम को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

घटना के बाद मां अजमीरा और दोनों बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। करेली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दबंगों से मुक्त कराए जाएं किसानों के खेत खलिहान और मकान–बबलू दुबे

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया थाना परिसर में किसानों ने लगाई महापंचायत एसीपी ने समस्याओं के समाधान के लिए दिए निर्देश

बहरिया। पुलिस से जुड़ी फूलपुर सर्किल की समस्याओं को लेकर बुधवार को भारतीय किसान यूनियन ने बहरिया थाना परिसर में महापंचायत का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता यूनियन के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे ने की। उन्होंने कहा कि किसान अपनी समस्या को लेकर जब थाने में जाते हैं तो उनकी अनदेखी कर दी जाती है। जिससे किसानों को न्याय नहीं मिल पाता।

दबंग उनके खेत खलिहान और मकान पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पुलिस किसानों की मदद नहीं करती है तो किसान सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे। महापंचायत में फूलपुर, बहरिया मऊआइमा तीनों थाना प्रभारी निरीक्षक एवं एसीपी फूलपुर विवेक यादव भी शामिल हुए। एसीपी फूलपुर विवेक यादव ने कहा कि किसानों की समस्याओं

को प्राथमिकता पर लेकर उसका समाधान किया जाएगा। उन्होंने तीनों थाना प्रभारी को निर्देशित किया की जो भी किसान समस्या को लेकर थाने पर आए। उसकी तत्काल सुनवाई की जाए। एसीपी ने पंचायत के माध्यम से किसानों द्वारा उठाई गई समस्याओं में शैलेंद्र शुक्ला रामगढ़ कोठारी थाना बहरिया के निजी मकान में जबरन दबंग के द्वारा लगाए गए ताला को खुलवाए जाने।

जीत लाल भारतीया ग्राम अतनपुर के निजी भूमि को दबंगों से मुक्त कराए जाने व न्यायालय के आदेश का पालन कराए जाने, भगवत प्रसाद पांडे ग्राम सराय लहुरी थाना मऊआइमा के निजी नंबरी भूमिधरी को भूमि माफिया से मुक्त कराए जाने, अनिल मौर्या ग्राम वीरभानपुर थाना बहरिया के निजी जमीन को दबंगों से तत्काल प्रभाव से मुक्त कराए जाने, ग्राम सराय मदन पटेल बस्ती बहरिया में जा रहे रास्ते व सरकारी खड़ंजा को बाधित किया गया है उसे खाली कराए जाने हेतु संबंधित थाना अध्यक्षों को आदेशित किया गया। इसी तरह कई एक प्रकरण पर तत्काल कार्रवाई की गई। बैठक में जगदीश तिवारी मंडल महासचिव, अजय सिंह युवा मंडल अध्यक्ष, राममूर्ति यादव, अमर नाथ यादव, राजेंद्र कुमार, हरिश्चंद्र, कमलेश कुमार पटेल, कमलेश यादव, ज्ञान सिंह पटेल, गोविंद सिंह, अंगद मौर्या आदि लोग रहे।

संपादकीय

जनगणना के नाम पर साइबर हमला और डिजिटल ठगी का बढ़ता जाल

डिजिटल भारत के इस दौर में जहां हर सरकारी सेवा तेजी से ऑनलाइन हो रही है वहीं साइबर अपराधियों ने भी लोगों को ठगने के नए तरीके खोज लिए हैं। अब जनगणना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रक्रिया को भी साइबर ठग अपने हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। गुजरात सहित देश के कई राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें लोगों को जनगणना अधिकारी बनकर फोन किए गए और मोबाइल लिंक भेजकर बैंक खाते खाली कर दिए गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पुलिस को विशेष एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि लोगों की निजी जानकारी और डिजिटल सुरक्षा पर सीधा हमला है।

भारत तेजी से डिजिटल व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। सरकारी योजनाएं बैंकिंग सेवाएं स्वास्थ्य सुविधाएं और पहचान से जुड़ी लगभग हर प्रक्रिया अब मोबाइल और इंटरनेट पर आधारित हो चुकी है। ऐसे में आम नागरिकों के मोबाइल फोन में उनकी निजी जिंदगी का बड़ा हिस्सा सुरक्षित रहता है। बैंक खाते यूपीआई एप पासवर्ड फोटो दस्तावेज और पहचान संबंधी जानकारी सब कुछ मोबाइल में मौजूद रहता है। साइबर अपराधी इसी कमजोरी का फायदा उठाकर लोगों को जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं।

हाल के दिनों में साइबर ठग जनगणना अधिकारी बनकर लोगों को कॉल कर रहे हैं। वे खुद को सरकारी कर्मचारी बताकर नागरिकों से कहते हैं कि जनगणना प्रक्रिया पूरी करने के लिए कुछ जानकारी अपडेट करनी होगी। इसके बाद लोगों के मोबाइल पर एक लिंक भेजी जाती है। कई बार यह लिंक व्हाट्सएप मैसेज एसएमएस या ईमेल के जरिए आती है। लिंक पर क्लिक करते ही व्यक्ति को एक एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। सामान्य व्यक्ति को यह समझ नहीं आता कि यह फाइल कितनी खतरनाक हो सकती है।

एपीके यानी एंड्रॉइड पैकेज किट एक ऐसा फॉर्मेट होता है जिसके जरिए मोबाइल में एप इंस्टॉल किया जाता है। साइबर अपराधी नकली एपीके फाइल बनाकर उसमें वायरस या स्पाइवेयर छिपा देते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति उसे डाउनलोड करता है वैसे ही मोबाइल की सुरक्षा कमजोर पड़ जाती है। कई मामलों में मोबाइल की स्क्रीन तक साइबर अपराधियों के नियंत्रण में चली जाती है। इसके बाद वे बैंकिंग एप और यूपीआई तक पहुंच बना लेते हैं और कुछ ही मिनटों में खाते से पैसे निकाल लेते हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई लोग सरकारी प्रक्रिया समझकर आसानी से भरोसा कर लेते हैं। ठग सरकारी भाषा और अधिकारिक अंदाज में बात करते हैं जिससे व्यक्ति को शक नहीं होता। कई बार वे आधार कार्ड पैन कार्ड बैंक खाता और ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं। कुछ लोग डर या जल्दबाजी में यह जानकारी साझा कर देते हैं और बाद में उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

गुजरात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि केंद्र या राज्य सरकार कभी भी फोन पर ओटीपी पासवर्ड बैंक डिटेल या गोपनीय जानकारी नहीं मांगती। जनगणना प्रक्रिया के लिए किसी भी व्यक्ति को मोबाइल एप डाउनलोड करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता। यदि कोई व्यक्ति ऐसा कर रहा है तो वह निश्चित रूप से संदिग्ध है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने की अपील की है। साइबर अपराध केवल बैंक खाते तक सीमित नहीं है। मोबाइल हैक होने के बाद अपराधी सोशल मीडिया अकाउंट ईमेल और निजी फोटो तक पहुंच बना सकते हैं। कई बार लोगों की निजी तस्वीरों का दुरुपयोग कर ब्लैकमेलिंग भी की जाती है। कुछ मामलों में अपराधी पीड़ित के नाम से दोस्तों और रिश्तेदारों से पैसे मांगने लगते हैं। इस तरह एक छोटी सी गलती व्यक्ति की आर्थिक और सामाजिक दोनों सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है।

यशस्वी प्रधानमंत्री के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के बेमिसाल 12 साल

सुरेश पचौरी

लोकतीत्र में श्रेष्ठ नेतृत्वा की पहचान नीति, नीयत और निष्ठाल की कसौटी पर खरा उतरने से होती है। यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 12 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे।

नरेन्द्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो सर्वे भवन्तु सुखिनः के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वादस का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। संक्षेप में कहा जाए तो मोदी जी के नेतृत्वर वाली केन्द्रम सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए अपनी प्राथमिकता में ऋअठ को रखा है। ऋका तात्पर्य गरीब, का तात्पर्य युवा, अ का तात्पर्य अन्नदाता किसान और ठ का तात्पर्य नारी। वर्तमान में केंद्र सरकार ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं में इन पर अधिक फोकस किया है।

गरीब कल्याणि कार्यक्रम

केन्द्रा सरकार ने समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सर्वहारा वर्ग के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं कल्याणकारी निर्णय लिये हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वकच्छद भारत अभियान की शुरूआत की। पिछले 12 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। साथ ही उज्जएवला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ो लोग लाभान्वित हुये हैं।

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरूआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है।

आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया।

शुरूआत और संस्थापकः इसकी शुरूआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं।

विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया।

सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है। मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे।

बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है। अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टेकेगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरूआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।

उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरूआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा। इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं।

यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल कॉकरोच जनता पार्टी के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन राजनीतिक रूप से खोखली हो चुकी व्यवस्था की पृष्ठभूमि में खड़ा हुआ था, जबकि बांग्लादेश में बदलाव की जमीन मुख्यतः मजहबी कट्टरता पर आधारित थी। बहरहाल सीजेपी का ऊफान कितने समय और कितना रफ्तार पकड़ेगा और क्या भारत सरकार और सत्तारूढ़ एनडीए के लिए कोई मुसीबत बनेगा यह नतीजा निकालना अभी जल्दबाजी होगा लेकिन इतना तय है कि इस सोशल मीडिया पर खड़े किए जा रहे तूफान को पाकिस्तान और खालिस्तानी समर्थक लोग जमकर टैग फोलो कर रहे हैं और इनकी बड़ी तादाद इस हवाई किले की बुनियाद में शामिल हो रही है आशंका यह भी है कि अमेरिका समेत कुछ विदेशी ताकतों द्वारा ऐसे अभियान को बैकडोर से हवा दी जा रही है वहीं विपक्ष भी मोदी के अश्वमेध यज्ञ को कमजोर करने के लिए ऐसे अभियान को साधन बनाने के लिए बेताब है। जाहिर है कि यह एक झोका है जो एक दो हफ्ते में कमजोर पड़ जाएगा।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः का उद्घोष किया, जिस धरती से वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी गलती केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है।

जेन जी को गुमराह करना अब सरकार के लिए आसान नहीं

दिलीप कुमार पाठक

भारत आज एक ऐसे मोड़ पर है जहां हमारे जेन जी का सब्र अब पूरी तरह टूट रहा है। अभी हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसा तूफान आया जिसने बड़े-बड़े नेताओं की नींद उड़ा दी। इंटरनेट पर खड़े हुए एक डिजिटल आंदोलन ने सिर्फ चार-पांच दिनों के भीतर इंस्टाग्राम पर दो करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स जोड़ लिए। इस मोर्चे ने देश की दिग्गज राजनीतिक पार्टियों को भी सोशल मीडिया की दौड़ में पीछे छोड़ दिया। यह कोई हंसी-मजाक या मीम नहीं है, बल्कि देश के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं का गुस्सा है, जिसे सरकार अब हल्के में नहीं ले सकती।

जेन जी के इस जुड़ाव का अंदाजा इसी से लगा लीजिए कि आंदोलन की वेबसाइट पर कुछ ही दिनों में दस लाख से ज्यादा लोगों ने अपना नाम लिखवा दिया और पेपर लीक के खिलाफ छह लाख से ज्यादा लोगों ने ऑनलाइन दस्तखत कर दिए। इस पूरे बवाल की चिंगारी सुप्रीम कोर्ट की एक सुनवाई के दौरान भड़की। अदालत में एक केस के दौरान चीफ जस्टिस ने टिप्पणी कर दी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम, मीडिया, कानून और आरटीआई के भीतर कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं और हर किसी पर हमला करने लगते हैं। जब देश भर के जेन जी में इस बात को लेकर गुस्सा फैला तो चीफ जस्टिस को सफाई भी देनी पड़ी। उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत समझा गया और उनका इशारा सभी बेरोजगारों की तरफ नहीं, बल्कि नकली डिग्री वालों और सिस्टम का फायदा उठाने वालों की तरफ था। लेकिन जेन जी इस सफाई से शांत नहीं हुए। उन्होंने इस अपमान को अपनी लाचारी और बेरोजगारी से जोड़कर देखा और सोशल मीडिया पर एक तगड़ा डिजिटल मोर्चा खोल दिया। यह गुस्सा सिर्फ एक बयान से नहीं भड़का है, बल्कि इसके पीछे सालों से जमा हो रही हताशा है।

भारत हर साल करीब अस्सी लाख से ज्यादा ग्रेजुएट्स तैयार करता है वहीं अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट कहती है कि देश के कुल बेरोजगारों में तिरासी प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले जेन जी की है। सबसे डरावनी बात यह है कि ऊंचे पढ़े-लिखे लोगों में बेरोजगारी दर उनतीस प्रतिशत के आसपास है। इसका सीधा मतलब यह है कि डिग्री जितनी बड़ी है, नौकरी की गारंटी उतनी ही कम है। बेरोजगारी का यह तनाव युवाओं को मानसिक रूप से इस कदर तोड़ रहा है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक, कुल खुदकुशी के मामलों में बेरोजगारों की हिस्सेदारी जो साल पंचांगबे में सिर्फ एक दशमलव आठ प्रतिशत थी।

बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि हजारों बेटियों की जिंदगी निगलने वाला वह दानव बन चुकी है, जो आधुनिक शिक्षा, कानून और जागरूकता के बावजूद आज भी समाज की मानसिकता पर हावी है। हर वर्ष दहेज उत्पीड?, आत्महत्या और हत्या के हजारों मामले सामने आते हैं, लेकिन कुछ दिनों की चर्चा के बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। हाल ही में चर्चित द्विशा कांड को सीबीआई जांच के लिए सौंपा जाना इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है कि समाज और व्यवस्था दोनों अभी भी इस अपराध को रोक पाने में पूरी तरह सफल नहीं हुए हैं।समय आ गया है कि समाज यह समझे कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक हैं। जिस दिन दहेज को सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं बल्कि शर्म का विषय माना जाने लगेगा, उसी दिन एक आदर्श समाज की शुरूआत होगी।

दहेज की समस्या की जड़ केवल लालच नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा की विकृत सोच है। विवाह को आज भी कई परिवार सौदे की तरह देखते हैं, जहां लड़के की नौकरी, वेतन और हैसियत के आधार पर कीमत तय होती है। दुखद यह है कि शिक्षित और संपन्न वर्ग भी इस मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाया है। माता-पिता अपनी बेटियों की शादी के लिए जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, फिर भी उत्पीड? समाप्त नहीं होता।

द्विशा कांड जैसे मामले इसलिए अधिक भयावह बन जाते हैं क्योंकि वे समाज के उस चेहरे को सामने लाते हैं, जहां कानून का डर कमजोर और लालच की भूख मजबूत दिखाई देती है। जब किसी बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होती है और परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकता है, तब लोगों का भरोसा व्यवस्था से उठने लगता है। ऐसे मामलों की ष्टक्कढ्ढ जांच इसलिए जरूरी मानी जाती है क्योंकि आम जनता निष्पक्ष और पारदर्शी जांच चाहती है।

हालांकि केवल जांच एजेंसी बदल देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। आवश्यकता है कि दहेज विरोधी कानूनों को और प्रभावी बनाया जाए तथा उनकी निष्पक्षता भी सुनिश्चित हो। तेज सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बननी चाहिए ताकि पीड़ित परिवारों को वर्षों तक न्याय का इंतजार न करना पड़े। साथ ही झूठे मामलों को भी रोकना आवश्यक है, ताकि कानून की विश्वसनीयता बनी रहे।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव समाज की सोच में आना चाहिए। बेटियों को बोझ और बेटों को कमाई का साधन समझने वाली मानसिकता जब तक समाप्त नहीं होगी, तब तक दहेज का दानव जीवित रहेगा। विवाह को दिखावे और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनाने की बजाय सादगी और समानता का संस्कार विकसित करना होगा। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को दहेज विरोधी अभियान लगातार चलाने चाहिए। आज जरूरत केवल कानून की नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति की है। हर परिवार को यह संकल्प लेना होगा कि न दहेज देंगे और न लेंगे। जब समाज स्वयं दहेज मांगने वालों का बहिष्कार करेगा, तभी इस दानव का अंत संभव होगा। अन्यथा द्विशा जैसे कांड बार-बार देश को झकझोरते रहेंगे और बेटियों की चीखें व्यवस्था की फाइलों में दबती रहेंगी।

क्या आदर्श समाज दहेज को ना बोलेगा?

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का पवित्र संबंध माना जाता है। लेकिन इस पवित्र रिश्ते पर दहेज जैसी कुप्रथा ने गहरा दाग लगा दिया है। आधुनिकता, शिक्षा और कानूनों के बावजूद दहेज की मांग आज भी समाज में अनेक परिवारों की पीड़ा का कारण बनी हुई है। सवाल यह है कि क्या हमारा समाज कभी सच में दहेज को पूरी तरह ना कह पाएगा?

दहेज प्रथा ने न केवल बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता को बढ़ावा दिया है, बल्कि अनेक परिवारों को आर्थिक और मानसिक संकट में भी धकेला है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करने को मजबूर हो जाते हैं। कई बार दहेज की मांग पूरी न होने पर बेटियों को प्रताडना, हिंसा और यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ता है।

भय, भूख, लालच और सपनों की राजनीति

सनत जैन

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों की राजनीति पर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट दिखाई देता है, भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना धीरे-धीरे सत्ता केंद्रित राजनीति में बदलती चली गई। वर्तमान राजनीति का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण से अधिक सत्ता प्राप्ति और सत्ता को बनाए रखना है। स्वतंत्रता आंदोलन से निकला नेतृत्व त्याग, संघर्ष और वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। संविधान निमार्ताओं ने भारत की विविधता को ध्यान में रखते हुए जो संविधान तैयार किया था, उसमें अंतिम शक्ति जनता के हाथ में रहे। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन स्थापित किया गया। नागरिकों और मीडिया को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई। इसे चौथा स्तंभ भी संविधान का माना गया। ताकि कोई भी संस्था निरंकुश न हो सके। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश के पास जिस तरह से प्रकृति का संचालन है, संविधान निमार्ताओं ने यही व्यवस्था भारतीय संविधान में की। स्वतंत्रता के बाद के शुरूआती 25 वर्षों में संसाधनों की भारी कमी, युद्ध, अकाल और आर्थिक संकट के बावजूद, तब की सरकारों ने बड़े-बड़े विकास कार्य किये। बड़े-बड़े सार्वजनिक उपक्रम तैयार किया। बड़े-बड़े शिक्षा के संस्थान और औद्योगिक प्रतिष्ठान उसी अवधि में तैयार किए गए। योजना आयोग के माध्यम से केंद्र एवं राज्यों के बीच संघीय शासन व्यवस्था तथा संसाधनों का बंटवारा करने संवैधानिक संस्था बनाई गई। उस समय शासन व्यवस्था में नैतिकता दिखाई देती थी। सभी संवैधानिक संस्थाएं जनता के प्रति जवाबदेह थीं। 1947, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान अकाल, खाद्यान्न संकट, तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के पास टैक्स के रूप में जब सीमित आर्थिक संसाधन थे। भारत ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्रता देते हुए उन्हें मजबूत किया। विकास की आधारशिला रखी। जब कोई व्यवस्था नहीं थी, उस दौर के नेतृत्व में वैचारिक मतभेद होने के बाद भी राष्ट्रहित सर्वोपरि था। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1971 का युद्ध और बांग्लादेश का निर्माण भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण वैश्विक स्तर पर आज भी माना जाता है। 1977 के बाद भारतीय राजनीति में बड़ा परिवर्तन आया। 1971 के युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर भारत में बहुत सारे प्रतिबंध लगाए गए। जो लंबे समय तक लागू रहे। भारत को ऊर्जा संकट का सामना कई वर्षों तक करना पड़ा। खाद्यान्न संकट का भी सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी ने इसका मुकाबला किया।

भाजपा सरकार ने 10 सालों में सबसे ज्यादा पीडीए पर किया अत्याचार : अखिलेश यादव

लखनऊ।
समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में भेदभाव, अन्याय, अत्याचार चरम पर है। भाजपा सरकार के 10 साल में पीडीए वर्ग पर अत्याचार की इंतहा हो गई है। सरकार ने बड़े पैमाने पर फेंक एनकाउंटर कराये हैं। इन फर्जी एनकाउंटर में 85 फीसदी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लोग मारे गये हैं। इस सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।

सपा अध्यक्ष मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा सरकार के 10 साल में पीडीए वर्ग पर हुए अत्याचार के आंकड़ों की एक पुस्तिका जारी की। पुस्तिका में भाजपा सरकार के पीडीए के साथ किये गये फर्जी एनकाउंटर पीडीए के घरों पर चलवाये गये बुलडोजर, पुलिस हिरासत में हुई मौतों और उत्तर प्रदेश की जेलों में अंडर ट्रायल कैदियों का जातीय ब्योरा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जब डगमगाने लगती है तो फर्जी एनकाउंटर कराती है। साथ ही और ज्यादा कम्युनल हो जाती है। भाजपा सरकार अपने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए फेक एनकाउंटर कराती है। फर्जी एनकाउंटर भाजपा सरकार की नाइंसाफी, जुर्म और ज्यादती का सबसे घिनौना रूप है। फर्जी एनकाउंटर के जरिए भाजपा सियासी साजिश करती है। जाति-धर्म देखकर फर्जी एनकाउंटर कराती है। इससे प्रदेश का सामाजिक सौहार्द बिगड़ता है। जाति आधारित फर्जी एनकाउंटर सामाजिक न्याय के राज को खारिज करता है। भाजपा सामाजिक न्याय विरोधी है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि पक्षपाती एनकाउंटर पूरी तरह संविधान विरोधी अपराधिक कृत्य है। फर्जी एनकाउंटर नाकाम सरकार की पहचान होते हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार एनकाउंटर के बहाने पीडीए को डराकर उसका हक मारना चाहती है। भाजपा सरकार में सरकारी स्तर पर फर्जी एनकाउंटर का पूरा एक अपराध तंत्र खड़ा कर दिया है। फर्जी एनकाउंटर से घूसखोरी और काली कमाई का कुचक्र शुरू होता है। फर्जी एनकाउंटर मानवाधिकार की हत्या करता है। उन्होंने कहा कि कस्टोडियल डेथ भी एक तरह का फर्जी एनकाउण्टर है, जिसमें भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में नम्बर एक पर है। ये भाजपा राज की बेहद शर्मिंदा करने वाली करतूतों का नतीजा है जो बेहद चिंतनीय भी है और निंदनीय है।

पाठ्यपुस्तकें विद्यार्थियों के सीखने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम : भगवती सिंह

प्रयागराज।
पाठ्यपुस्तकें विद्यार्थियों के सीखने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम होती हैं। इसलिए उनका छात्र-केंद्रित, सरल, रोचक और प्रभावी होना अत्यंत आवश्यक है। उक्त बातें मंगलवार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उपयोगी पहल कार्यक्रम में सचिव भगवती सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यशाला में प्राप्त सुझावों के आधार पर तैयार होने वाली अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों के लिए अधिक उपयोगी और स्व-अध्ययन को प्रोत्साहित करने वाली होगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश और यूनिसेफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 25 एवं 26 मई को आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों के लिए विकसित किए जा रहे स्व-अध्ययन मॉड्यूल की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना तथा उसे अधिक छात्र-केंद्रित एवं प्रभावी बनाना था।

कार्यशाला में माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश के शोध एवं सांख्यिकी सहायक, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक तथा पंचायत शिक्षा संस्थान के विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया।

इस दौरान प्रतिभागियों को स्व-अध्ययन सामग्री के विकास, समीक्षा और उसमें आवश्यक सुधार की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया।

कार्यशाला की मुख्य अतिथि परिषद की सचिव भगवती सिंह रहे, जबकि पंचायत शिक्षा संस्थान के अपर शिक्षा निदेशक एन. एल. चौरसिया ने दोनों दिनों तक प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। उद्घाटन सत्र में परिषद की उप सचिव रेखा श्रीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डाला।

छात्र-केंद्रित शिक्षा पर रहा विशेष जोर

कार्यशाला में यूनिसेफ द्वारा तैयार किए गए एक विशेष फ्रेमवर्क के आधार पर पाठ्यपुस्तकों और स्व-अध्ययन सामग्री की समीक्षा की गई।

वृंदावन : नाविकों ने यमुना में डूब रहे दो श्रद्धालुओं की बचाई जान

मथुरा।
वृंदावन कोतवाली वृन्दावन क्षेत्र के प्रसिद्ध केशीघाट पर मंगलवार को यमुना स्नान के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। राजस्थान के जोधपुर से आए दो श्रद्धालु स्नान करते समय अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। श्रद्धालुओं को डूबता देख वहां मौजूद नाविक तुरंत हरकत में आए और सूझबूझ का परिचय देते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। नाविकों की तत्परता से एक बड़ी अनहोनी टल गई। इससे पूर्व भी चार श्रद्धालुओं को नाविकों ने डूबने से बचाया था।

गौरतलब हो कि नगर निगम द्वारा सुरक्षा के लिहाज से घाट पर बैरिकेडिंग कराई गई है, लेकिन निगरानी के अभाव में श्रद्धालु निर्धारित सीमा से आगे बढ़कर स्नान करने लगते हैं। मंगलवार दोपहर को राजस्थान निवासी केशव और जगदीश गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद नाविकों ने तत्काल यमुना में उतरकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने नाविकों की बहादुरी और तत्परता की सराहना की। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नाविक मदद के लिए नहीं पहुंचते तो बड़ा हादसा हो सकता था। नाविक बलबीर निषाद ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले मंगलवार सुबह भी यमुना में डूब रहे चार अन्य श्रद्धालुओं को नाविकों ने नाव के सहारे गहरे पानी से सुरक्षित बाहर निकाला था। इस तरह नाविकों की सतर्कता और बहादुरी से छह लोगों की जान बचाई जा चुकी है।

घटना के बाद घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और श्रद्धालुओं की निगरानी बढ़ाने की मांग उठने लगी है।

एआई अब केवल पढ़ाई नहीं, विद्यार्थियों की सोच और आत्मविश्वास भी तय कर रहा है : कुलपति

कानपुर।
कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक अब केवल पढ़ाई का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह विद्यार्थियों की सोच, आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता को भी प्रभावित कर रही है। इसलिए इसके सुरक्षित, संतुलित और नैतिक उपयोग को समझना बेहद जरूरी है। यह बातें मंगलवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने विश्वविद्यालय में हुए एक शोध अध्ययन के संबंध में कहीं।

सीएसजेएमयू के शिक्षा विभाग में एआई और शिक्षा से जुड़े विषय पर एक महत्वपूर्ण शोध किया गया। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विमल सिंह के निर्देशन में छात्रा मानसी सिंह ने एल्गोरिदमिक बायस ऑन इंटरसेक्शनल आइडेंटिटीज विषय पर शोध किया।

शोध में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. अंशु सिंह का योगदान रहा। अध्ययन में 211 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को शामिल किया गया।

शोध में सामने आया कि एआई तकनीक विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाएं खोल रही है, लेकिन कई बार यही तकनीकें कुछ विद्यार्थियों को अधिक और कुछ को कम अवसर देती दिखाई देती हैं।

अध्ययन के दौरान यह भी पाया गया कि शहरी विद्यार्थी एआई में मौजूद पक्षपात को जल्दी पहचान लेते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्र के कई विद्यार्थी समस्याओं को महसूस तो करते हैं, लेकिन उन्हें स्पष्ट रूप से समझ नहीं पाते। शोधकताओं ने इसे कॉन्शियस डिवाइड नाम दिया।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि एमएड के विद्यार्थी तकनीक के सामाजिक और नैतिक प्रभावों को लेकर अधिक जागरूक हैं।

वहीं कई विद्यार्थियों ने कहा कि एआई आधारित रिसर्च टूल विज्ञान और तकनीकी विषयों के लिए अधिक उपयोगी साबित हो रहे हैं, जबकि कला और सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थियों को अपेक्षाकृत कम सहायता मिलती है।

पिता की हत्या के दोषी पुत्र को आजीवन कारावास

फिरोजाबाद।
न्यायालय ने मंगलवार को पिता की हत्या के दोषी पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

थाना दक्षिण क्षेत्र अन्तर्गत 29 सितम्बर 2014 की सुबह करीब सवा छह बजे योगेंद्र अपने पिता राधेश्याम से पैतृक संपत्ति में हिस्सा और नकद रुपये मांग रहा था। पिता के मना करने पर योगेंद्र नाराज हो गया और उसने तमंचे से पिता राधेश्याम के सीने में दो गोलियां मार दीं, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक के बड़े पुत्र डॉ. शैलेंद्र यादव ने अपने छोटे भाई योगेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। विवेचना के बाद पुलिस ने अभियुक्त योगेंद्र के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या दो नवनीत कुमार गिरी की अदालत में हुई।

अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी सहायक शासकीय अधिवक्ता अवधेश शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि कई गवाहों ने गवाही दी, कई साक्ष्य न्यायालय के समक्ष पेश किये।

भाजपा मुरादाबाद महानगर ने पुरुषोत्तम मास के बड़े मंगलवार पर किया भंडारा

मुरादाबाद।
भाजपा मुरादाबाद महानगर के तत्वावधान में आज पुरुषोत्तम मास के बड़े मंगलवार को कटघर कोतवाली के सामने श्री बालाजी महाराज के भंडारे का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की महानगर संयोजिका अल्पना रितेश गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम बालाजी महाराज का पूजन अभिषेक किया गया इसके बाद श्री हनुमान चालीसा का पाठ और महाआरती की गई।

भण्डारें में मुख्य रूप से भाजपा भोजपुर मंडल प्रभारी व पूर्व महानगर महामंत्री श्याम बिहारी शर्मा, एबी ट्रेडर्स की स्वामिनी प्रभा श्याम शर्मा, भाजपा कटघर मंडल अध्यक्ष राजीव शर्मा, नत्थूराम कश्यप, सहकारी बैंक के सभापति हरिओम शर्मा, अरविंद सिंह, दिनेश शुक्ला, निमित जायसवाल, अशोक गाबा, कमल कश्यप, पप्पू दादा, गुड्डू सिंह राजपूत, अमित शर्मा, उदय प्रजापति, संदीप शर्मा, रामगोपाल यादव, अन्नू भारद्वाज आदि क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

राप्ती नदी में नहाने गए तीन किशोर डूबे, तीनों के शव बरामद

गोरखपुर।
राजघाट स्थित राप्ती नदी मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे की गवाह बन गई, जहां नहाने गए तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। देर शाम एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से चलाए गए सघन सर्च ऑपरेशन के बाद तीनों के शव बरामद कर लिए गए। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

जानकारी के अनुसार तुर्कमानपुर क्षेत्र के निवासी निक्कू (15 वर्ष) पुत्र सुनील, सत्ती (15 वर्ष) पुत्र मोहन और इरफान पुत्र फखरुद्दीन मंगलवार को राजघाट स्थित राप्ती नदी में नहाने के लिए गए थे। बताया जा रहा है कि नहाने के दौरान तीनों किशोर अचानक गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते नदी में डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण तीनों लापता हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग नदी किनारे एकत्र हो गए। सूचना पाकर पुलिस और प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया।

एसडीएम सदर दीपक गुप्ता स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे अभियान की निगरानी करते हुए एनडीआरएफ टीम को तेजी से सर्च ऑपरेशन चलाने के निर्देश दिए।

हर टूटे रिश्ते को दुष्कर्म नहीं माना जा सकता : हाईकोर्ट

आपराधिक कार्यवाही रद्द

प्रयागराज।
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को केवल शादी न होने या रिश्ता टूट जाने के आधार पर दुष्कर्म नहीं माना जा सकता।

न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की पीठ ने मुरादाबाद से जुड़े एक मामले में निचली अदालत द्वारा जारी सम्मन और पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया।

पीड़िता ने कपिल सोम और एक अन्य व्यक्ति पर शादी का झूठा वादा कर शारीरिक संबंध बनाने, शोषण करने और जातिसूचक शब्द कहने का आरोप लगाया था।

भीषण तूफान से रोजा-लखनऊ रेलखंड में प्रभावित रेलमार्ग त्वरित कार्रवाई से हुआ बहाल

मुरादाबाद।
उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने मंगलवार शाम को बताया कि भीषण तूफान से मुरादाबाद मंडल के रोजा-लखनऊ रेलखंड में कई स्थानों पर रेलमार्ग प्रभावित हुआ था, जिसे मंडल प्रबंधन ने समयबद्ध त्वरित कार्रवाई से रेल संचालन के लिए बहाल किया।

सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि 25/26 मई 2026 की रात्रि आए भीषण तूफान, तेज हवाओं तथा विभिन्न स्थानों पर पेड़ों और मलबे के गिरने के कारण मुरादाबाद मंडल के कई रेलखंडों में ओएचई प्रणाली प्रभावित हुई, जिससे रेल संचालन बाधित हुआ।

खराब मौसम के कारण रोजा-लखनऊ रेलखंड सहित विभिन्न सेक्शनों में ओएचई उपकरणों को क्षति पहुंची तथा ट्रिपिंग की घटनाएं हुईं।

मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव के त्वरित एवं कुशल मार्गदर्शन में वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण) सचिन कुमार के निर्देशन में टीआरडी कर्मचारियों द्वारा प्रभावित रेलखंडों में त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई करते हुए मरम्मत कार्य किया गया तथा रेल संचालन की शीघ्र बहाली सुनिश्चित की गई।

तूफान से प्रभावित प्रमुख रेलखंडों में बिलपुर-मीरनपुर कटरा यार्ड, रोजा यार्ड, पीआरपीएम यार्ड, रोजा-बांथरा रेलखंड तथा कौड़ा-बेहटागोकुल यार्ड शामिल रहे। इन स्थानों पर पेड़ों के गिरने, टिन शीट एवं मलबा उड़कर ओएचई संरचना से टकराने तथा ओएचई उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने से रेल यातायात प्रभावित हुआ। मंडल में विभिन्न स्थानों पर मरम्मत कार्य लगभग 45 मिनट से लेकर 3 घंटे 11 मिनट तक चला। इस दौरान कई ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित रहा। भीषण तूफान से ओएचई क्षतिग्रस्त होने के कारण मुरादाबाद मंडल में गाड़ी संख्या 14207, गाड़ी संख्या 12229, गाड़ी संख्या 14241, गाड़ी संख्या 12231, गाड़ी संख्या 12429, गाड़ी संख्या 15043, गाड़ी संख्या 15011, गाड़ी संख्या 12557, गाड़ी संख्या 22419, गाड़ी संख्या 12371 प्रभावित रहीं।

पुलिस ने दो गैंगस्टरों की 31 लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क की

फिरोजाबाद।
थाना रसूलपुर पुलिस टीम ने मंगलवार को गैंगस्टर एक्ट के तहत दो अभियुक्तों की आगरा स्थित 31 लाख से अधिक की अचल सम्पत्ती कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की है। पुलिस पूर्व में इस गैंग के अन्य अभियुक्तों की संपत्ति कुर्क कर चुकी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे द्वारा गैंगस्टर एक्ट के तहत आदतन एवं संगठित होकर गम्भीर अपराधों को अंजाम देने वाले गैंगस्टर अभियुक्तों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में थाना रसूलपुर प्रभारी प्रदीप कुमार ने पुलिस व राजस्व टीम के साथ थाना रामगढ़ पर दर्ज

गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे से संबंधित थाना दक्षिण के हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त अवनीश पुत्र गया प्रसाद निवासी देव नगर थाना दक्षिण की अचल सम्पत्ती एक आवासीय फ्लैट जिला आगरा अनुमानित कीमत उन्नीस लाख निन्यानवे हजार नौ सौ अस्सी रुपये व अभियुक्त हरीशंकर पुत्र मंगल सिंह निवासी नगला डीम थाना ताजगंज आगरा की अचल सम्पत्ती प्लाट जिला आगरा अनुमानित कीमत ग्यारह लाख सत्तासी हजार पाँच सौ रुपये को अन्तर्गत धारा 14(1) गिरोहबंद एवं असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 के तहत कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की है।

अभियुक्त गण अवनीश व हरीशंकर द्वारा लगातार अपराध कारित कर यह अवैध अचल सम्पत्ति अर्जित की गई है।

पुलिस के अनुसार पूर्व में भी थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा इस गैंग के अन्य अभियुक्तगण मायाराम की मूल्य 08 लाख 08 हजार, सुशील कुमार उर्फ सट्टा की 31 लाख 65 हजार नौ सौ बावन रुपये, राशिद की 38 लाख 02 हजार पाँच सौ चौवन रुपये, भीमसेन की कुल मूल्य 13 लाख 39 हजार सत्तर रुपये, प्रदीप कुमार व गौरव सिंह की कुल मूल्य 37 लाख 62 हजार चार सौ पचास रुपये की अचल सम्पत्ती को कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की है।

दिल्ली से भागी नाबालिग को जीआरपी ने परिजनों को किया सुपुर्द, खिले चेहरे

कानपुर।
ऑपरेशन मुस्कान के तहत भटके और गुमशुदा बच्चों को सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। यह बातें मंगलवार को जीआरपी कानपुर सेंट्रल के प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह ने कहीं।

जीआरपी कानपुर सेंट्रल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक नाबालिग बालिका को सकुशल उसके परिजनों से मिलाया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं पुलिस उपाधीक्षक कानपुर दुष्यंत कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म, सकुर्लेटिंग एरिया, टिकट घर और यात्री प्रतीक्षालय में चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 1/10 पर एक बालिका अकेली बैठी मिली। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपनी मां की डांट से नाराज होकर दिल्ली से कानपुर आ गई थी।

महिला आरक्षी विपिन यादव ने बालिका को अपनी सुपुर्दगी में लेकर महिला हेल्प डेस्क पर सुरक्षित बैठाया। बाद में उचित माध्यम से उसकी मां रूबीना को सूचना दी गई। परिजनों के कानपुर पहुंचने पर बालिका को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया।

मथुरा : अवैध कॉलोनी पर विकास प्राधिकरण का बड़ा एक्शन, 30 हजार वर्ग मीटर में किया ध्वस्तीकरण

मथुरा।
मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) ने अवैध प्लाटिंग और अवैध निर्माण के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार को प्राधिकरण की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 30,000 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी में भारी पुलिस बल के साथ ध्वस्तीकरण अभियान चलाया।

सचिव (मथुरा विकास प्राधिकरण) आशीष कुमार सिंह ने बताया अवैध

कॉलोनियों और बिना मानचित्र पास कराए किए जा रहे निमार्णों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त और दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

बिना स्वीकृत मानचित्र के हो रहा था निर्माण

लक्ष्मीनगर (तहसील महावन) के गोपालपुर के पीछे, गंगा फार्म, गंगा सिटी (गंगा वैली) और काशी राम रोड टाउनशिप क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र (ले-आउट) के भू-विभाजन किया जा रहा था। उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 का उल्लंघन कर यहाँ अवैध रूप से सड़कों, नालियों और कार्यालय का निर्माण कराया जा रहा था।

इस मामले में वाद संख्या MTDA/Z3/ANI/2025/0000636 के तहत 28 अगस्त 2025 को ही ध्वस्तीकरण के आदेश जारी कर दिए गए थे।

इससे पहले प्राधिकरण ने 28 नवंबर 2025 को भी पुलिस बल के साथ यहाँ कार्रवाई की थी, जिसमें सड़क, नाली और बाउंड्रीवाल को ध्वस्त किया गया था। इसके बावजूद कॉलोनाइजर द्वारा नियमों को ताक पर रखकर दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।

दोबारा अवैध निर्माण की सूचना मिलने पर मंगलवार को प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन. के निर्देश पर सचिव आशीष कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने मौके पर धावा बोल दिया। टीम ने वहाँ अवैध रूप से नए सिरे से बनाई जा रही प्लिंथ, बाउंड्रीवाल, गेट, सड़क और नालियों को पूरी तरह जमींदोज कर दिया।

इस बड़े ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान प्राधिकरण के सहायक अभियंता सुमित कुमार, अवर अभियंता अनिल सिंघल, सुनील कुमार राजौरिया सहित भारी संख्या में प्रवर्तन दल और पुलिस बल के जवान तैनात रहे, ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे।

केजी-बेसिन गैस विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने सुलह प्रक्रिया पर सहमति जताई

शीर्ष अदालत ने जुलाई के तीसरे सप्ताह तक सुनवाई स्थगित की

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की केंद्र सरकार के साथ कृष्णा-गोदावरी बेसिन गैस विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने की नई अर्जी स्वीकार कर ली है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि दोनों पक्ष समाधान निकाल लेते हैं, तो लंबित अपील का निपटारा कर दिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस उल्लेख का संज्ञान लिया कि सुलह प्रक्रिया के लिए आवेदन किया गया है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने सरकार की ओर से इस अनुरोध पर विचार करने की सहमति जताई। इस पर न्यायालय ने मामले की सुनवाई जुलाई के तीसरे सप्ताह तक स्थगित कर दी। पीठ ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यदि विवाद सुलह से सुलझता है तो हमें खुशी होगी। गौरतलब है कि 20 मई को इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने रिलायंस और उसकी साझेदार कंपनियों की मध्यस्थता की पिछली मांग को ठुकरा दिया था। यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर अपीलों से संबंधित है, जिसने मध्यस्थता न्यायाधिकरण के रिलायंस के पक्ष में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया था। कंपनियों पर केजी बेसिन के ऐसे गैस भंडारों से गैस निकालने का आरोप है, जिनका दोहन करने का उन्हें अधिकार नहीं था।

ताइवान बना दुनिया का पांचवां बड़ा शेयर बाजार, भारत को पीछे छोड़ा

ताइवान का बाजार मूल्य 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा, जबकि भारत 4.92 ट्रिलियन डॉलर के साथ छठे स्थान पर

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्रांति की लहर पर सवार होकर ताइवान ने वैश्विक शेयर बाजार में एक बड़ी छलांग लगाई है। देश ने भारत को पीछे छोड़ते हुए सोमवार तक दुनिया के पांचवें सबसे बड़े इक्विटी मार्केट का दर्जा हासिल कर लिया है, जिसका कुल बाजार पूंजीकरण 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय मुख्य रूप से दिग्गज चिप निर्माता कंपनी ताइवान सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चे रिंग कंपनी को जाता है, जिसकी एआई चिप्स की बढ़ती वैश्विक मांग ने ताइवानी बाजार को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचाया है। यह न सिर्फ ताइवान की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक टेक सप्लाई चेन में उसके केंद्रीय महत्व को भी रेखांकित करता है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को ताइवान के शेयर बाजार का कुल मार्केट कैप 4.95 ट्रिलियन डॉलर दर्ज किया गया, जबकि भारत का बाजार मूल्य घटकर 4.92 ट्रिलियन डॉलर रह गया। इस बदलाव के साथ, दुनिया के सबसे बड़े इक्विटी बाजारों की सूची में अब अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद ताइवान का नाम शामिल हो गया है। ताइवान की इस शानदार प्रगति का सबसे प्रमुख कारण दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता टीएसएमसी रही है। कंपनी के शेयरों में इस साल अकेले करीब 49 प्रतिशत की जबरदस्त उछाल देखी गई है। एआई सेक्टर में अभूतपूर्व मांग बढ़ने से टीएसएमसी को सीधा फायदा मिला है, क्योंकि उसके उन्नत सेमीकंडक्टर वैश्विक टेक दिग्गजों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स के निर्माण में रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं। एने विडिया जैसी कंपनियों के लिए चिप्स बनाने वाली टीएसएमसी ने एआई चिप्स की बढ़ती जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रुपया 17 पैसे गिरकर 95.43 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया पिछले दिन 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में मंगलवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बने रहने तक रुपये पर व्यापक दबाव जारी रह सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उपाय और तरलता बढ़ाने से निकट अवधि में कुछ राहत दे सकते हैं और उतार-चढ़ाव को सीमित कर सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 45 अंक नीचे आकर 95.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे फिसलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है। सोमवार को रुपया 34 पैसे मजबूत होकर 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

कारोबारियों के अनुसार उस दिन आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर

एचपीसीएल की ईंधन बिक्री में मजबूत उछाल

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी तेल विपणन कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने मई महीने के शुरुआती 24 दिनों में ईंधन बिक्री में शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो आर्थिक गतिविधियों में तेजी और बढ़ी हुई उपभोक्ता मांग का स्पष्ट संकेत है। कंपनी के अनुसार 1 से 24 मई के दौरान पेट्रोल की खुदरा बिक्री 7.36 लाख टन दर्ज की गई, जो पिछले साल की इसी अवधि के 7 लाख टन से 5 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह डीजल की खुदरा बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 7 प्रतिशत बढ़कर 14.27 लाख टन पर पहुंच गई। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने 13.35 लाख टन डीजल बेचे थे। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ रही है और लोगों की आवाजाही बढ़ रही है, जिससे ईंधन की खपत में इजाफा हुआ है।

महंगा हुआ घर खरीदना, बिक्री मूल्य 16 फीसदी बढ़ा

आपूर्ति बढ़ने से बिना बिके मकानों की संख्या 13 फीसदी बढ़कर 12 लाख इकाई हुई

नई दिल्ली।

भारत के प्रमुख शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान घरों की बिक्री में एक दिलचस्प प्रवृत्ति देखने को मिली है। एक रिपोर्ट बताती है कि जहां घरों की बिक्री का कुल मूल्य 16 फीसदी बढ़कर 9.33 लाख करोड़ रुपये हो गया, वहीं बेचे गए घरों की संख्या में 1 फीसदी की मामूली गिरावट आई। एक गैर-ब्रोकरेज रियल एस्टेट अनुसंधान और डेटा विश्लेषण कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश के 75 प्रमुख शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 7,09,793 आवासीय इकाइयाँ बिकीं, जो पिछले वित्त वर्ष की 7,19,029 इकाइयों से थोड़ी कम है। हालांकि, मूल्य के हिसाब से बिक्री 9,32,965 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो यह दर्शाता है कि प्रॉपर्टी की औसत कीमतें बढ़ी हैं। इसी अवधि में नए घरों की आपूर्ति 10 प्रतिशत बढ़कर 6,20,842 इकाई हो गई। आपूर्ति में वृद्धि के कारण बिना बिके मकानों (अनसोल्ड इन्वेंट्री) की संख्या में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह लगभग 12 लाख इकाई तक पहुंच गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि शीर्ष आठ शहरों में बिक्री थोड़ी घटकर 5,07,850 इकाई रही, जबकि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में भी बिक्री में मामूली गिरावट आई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 479 , निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। आज सुबह बाजार खुलते ही तेजी दिखी पर समय बीतने के साथ ही बाजार का रुख बदलने लगा और उसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद दोनों बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 479 अंक टूटकर 76,009 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी दिन के अंत में 118 अंक नीचे आकर 23,913 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज़्यादा उछाल अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में आया।

इसके अलावा टाटा मोटर्स , टेक महिंद्रा के अलावा नेस्ले इंडिया के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर अपोलो अस्पताल के अलावा विप्रो , भारती एयरटेल और ट्रेंट के शेयर गिरे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी एनर्जी के अलावा निफ्टी कमोडिटीज में तेजी रही जबकि निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी सर्विसेज सेक्टर और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स भी 141.36 अंक की गिरावट के साथ 76,347.60 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप में हल्की 0.14 फीसदी की तेजी रही, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.65 फीसदी की मजबूत बढ़त के रही। ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और रियल्टी इंडेक्स दबाव में रहे, वहीं सूचना प्रौद्योगिकी और मीडिया सेक्टर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजार को कुछ सहारा दिया।

यह गिरावट अमेरिका द्वारा दक्षिणी ईरान में किए गए ताजा सैन्य हमलों के बाद बढ़ी वैश्विक अनिश्चितता के कारण आई है। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

श्रीलंका में केंद्रीय बैंक का बड़ा कदम, ब्याज दरों में एक फीसदी की बढ़ोतरी

तीन साल में पहली बार बढ़ी दरें, वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी वजह

कोलंबो ।

श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण मौद्रिक नीतिगत फैसले में अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर में एक प्रतिशत अंक (100 आधार अंक) की वृद्धि कर दी है। यह बीते तीन वर्षों में पहली बार है जब केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति को सख्त किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य घरेलू मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाना और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच कमजोर पड़ रहे श्रीलंकाई रुपये को सहारा देना है। मौद्रिक नीति बोर्ड की बैठक के बाद लिए गए इस निर्णय से ओवरनाइट नीतिगत दर (ओपीआर) अब बढ़कर 8.75 प्रतिशत हो गई है। इसके साथ ही, मानक जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) को 8.25 प्रतिशत और स्थायी उधारी सुविधा दर (एसएलएफआर) को 9.25 प्रतिशत कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दर में वृद्धि का यह निर्णय घरेलू और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बदलते परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए लिया है। बैंक ने विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल सहित अन्य जिंसों की कीमतों में हो रही वृद्धि का हवाला दिया, जिसका सीधा असर वैश्विक और घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आने वाले समय में मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत के उसके लक्ष्य से ऊपर बनी रह सकती है, हालांकि बाद में इसके स्थिर होने की संभावना है। इसके

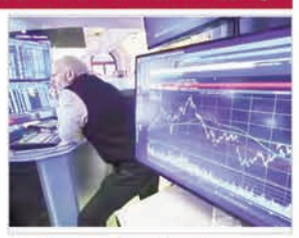

अतिरिक्त, श्रीलंकाई रुपये पर हाल के हफ्तों में दबाव देखा गया है, जो इस साल की शुरुआत से 22 मई तक 7.2 प्रतिशत कमजोर हो चुका था। हालांकि, बैंक का कहना है कि अब स्थिति में कुछ हद तक स्थिरता आई है।

प्रीमियर एनर्जीज में 2,291 करोड़ का संस्थागत निवेश

नई दिल्ली।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड में वैश्विक और घरेलू वित्तीय संस्थानों ने बड़ा दांव लगाया है। नोमुरा एसेट मैनेजमेंट और कैपिटल ग्रुप सहित कई संस्थागत निवेशकों ने कंपनी में 2,291 करोड़ रुपये में 5.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से संपन्न हुआ। इस सौदे में कनाडा के पब्लिक सेक्टर पेंशन इन्वेस्टमेंट बोर्ड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे विदेशी निवेशक, और क्वांट म्यूचुअल फंड, बजाज फिनसर्व, बंधन म्यूचुअल फंड के साथ-साथ एचडीएफसी लाइफ व एसबीआई लाइफ जैसी प्रमुख घरेलू संस्थाएं शामिल रहीं। कंपनी के चार प्रवर्तकों ने औसतन 955 रुपये प्रति शेयर के भाव से कुल 2,39,85,197 शेयर बेचे, जिससे उनकी हिस्सेदारी 63.94 प्रतिशत से घटकर 58.65 प्रतिशत हो गई। यह निवेश ऐसे समय में हुआ है जब प्रीमियर एनर्जीज को हाल ही में 1,600 मेगावाट क्षमता के सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के बड़े ऑर्डर मिले हैं।

भारत-कनाडा एफटीए 2030 के अंत तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

पीयूष गोयल और मनिंदर सिद्धू ने जताई प्रतिबद्धता; तीसरे दौर की वार्ता ओटावा में जारी

नई दिल्ली।

भारत और कनाडा इस वर्ष के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी कनाडा यात्रा के दौरान यह घोषणा की, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। ओटावा में कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने इस साल के अंत तक इस समझौते को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। गोयल ने कहा कि हमारा उद्देश्य मौजूदा 17 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक 50 अरब डॉलर करना है। अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी मुलाकात की, जिन्होंने एफटीए को कनाडाई कामगारों और कारोबार के लिए गेम चेंजर बताया। कार्नी ने ऊर्जा, कृषि-खाद्य, प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी गिनाईं। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर तीसरे दौर की वार्ता 25 से 29 मई तक ओटावा में जारी है। भारत की ओर से संयुक्त सचिव बृजमोहन मिश्रा और कनाडा की ओर से ब्रूस क्रिस्टी मुख्य वार्ताकार हैं। द्विपक्षीय व्यापार में दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दालें और कच्चा पेट्रोलियम प्रमुख मदें हैं, जबकि कनाडा में 4.25 लाख से अधिक भारतीय छात्र और एक बड़ा भारतीय समुदाय भी रहता है।

यूपीआई पेमेंट में बदलाव, अब दुकानों पर दिखेगा सिर्फ एक स्मार्ट साउंडबॉक्स!

एनपीसीआई ला रहा वन साउंडबॉक्स रूल, सभी ऐप्स के लिए एक ही डिवाइस देगा पेमेंट की जानकारी

नई दिल्ली ।

भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में एक महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी है। अब दुकानों पर गूगल प्ले, फोनपे और पेटीएम जैसे अलग-अलग यूपीआई ऐप्स के लिए कई साउंडबॉक्स रखने की झंझट खत्म होने वाली है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) एक नया नियम लाने जा रहा है, जिसका लक्ष्य पेमेंट अनुभव को और भी सुव्यवस्थित करना है। एनपीसीआई अब वन साउंडबाक्स रूल लागू करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसके तहत इंटरोपेरेबल साउंडबाक्स तकनीक विकसित की जा रही है। इसका सीधा मतलब है कि दुकानदारों को अब कई कंपनियों के अलग-अलग साउंडबॉक्स रखने की जरूरत नहीं होगी।

भविष्य में सिर्फ एक ही स्मार्ट साउंडबॉक्स होगा जो किसी भी यूपीआई ऐप से आने वाले पेमेंट की जानकारी और पुष्टि आवाज के माध्यम से देगा। यह सुविधा उसी तरह काम करेगी जैसे आज एक क्यूआर कोड सभी यूपीआई ऐप्स के साथ संगत होता है। यह पहल विशेष रूप से छोटे दुकानदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी। उन्हें अब काउंटर पर कई डिवाइस रखने, उनका मासिक किराया या खर्च चुकाने और जगह घेरने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इससे उनके काउंटर साफ-सुथरे और व्यवस्थित दिखेंगे, संचालन लागत में कमी आएगी और डिजिटल पेमेंट को अपनाना और भी आसान हो जाएगा। इस बदलाव से डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम और परिपक्व होगा।

पुराने गहने एक्सचेंज करने पर लग सकता है कैपिटल गेन टैक्स!

टैक्स विशेषज्ञः यह सिर्फ डिजाइन बदलना नहीं, संपत्ति का हस्तांतरण है

नई दिल्ली ।

भारत में अक्सर लोग पुराने गहनों को एक्सचेंज कर नए डिजाइन बनवाते हैं, लेकिन यह आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रक्रिया केवल डिजाइन बदलने तक सीमित नहीं, बल्कि इनकम टैक्स नियमों के तहत एसेट ट्रांसफर यानी संपत्ति का हस्तांतरण माना जा सकता है, जिस पर कैपिटल गेन टैक्स भी लागू हो सकता है। आयकर कानून के तहत पुराने गहनों के बदले नए गहने लेना भी ट्रांसफर माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति ने सालों पहले कम कीमत पर सोना खरीदा था और अब एक्सचेंज के दौरान उसकी कीमत काफी बढ़ गई है, तो बढ़ी हुई वैल्यू पर कैपिटल गेन टैक्स चुकाना पड़ सकता है। भले ही उपभोक्ता को सीधे नकदी न मिली हो, टैक्स विभाग इसे संपत्ति के हस्तांतरण के रूप में देखेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, पुश्तैनी और पुराने गहनों के मामले में यह दिक्कत ज्यादा होती है, क्योंकि अक्सर इनकी खरीद के दस्तावेज या असली कीमत का रिकॉर्ड नहीं मिलता, जिससे टैक्स की गणना जटिल हो जाती है। विरासत या वसीयत में मिले गहनों पर भी यही नियम लागू हैं, जहां पुराने मालिक की खरीद कीमत आधार बनती है। 1 अप्रैल 2001 की कीमत कैपिटल गेन गणना में महत्वपूर्ण है।

आजकल ज्वेलर्स भले ही आसानी से एक्सचेंज की सुविधा दे रहे हों, पर बिना सही रिकॉर्ड और मूल्यांकन के भविष्य में दिक्कत हो सकती है। टैक्स विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि गहनों के एक्सचेंज से पहले खरीद तारीख, अनुमानित कीमत और सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच जरूर कर लें, ताकि भविष्य में किसी टैक्स नोटिस या अतिरिक्त बोझ से बचा जा सके।

अदाणी ग्रीन ने 3.3 गीगावाट घंटा बैटरी स्टोरेज क्षमता हासिल की

खावड़ा परियोजना भारत के ऊर्जा भविष्य में निभा रही बड़ी भूमिका

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की परिचालन क्षमता को बढ़ाकर 3.37 गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) कर दिया है। मार्च 2026 में 1.37 गीगावाट घंटा की अतिरिक्त क्षमता जोड़ने के बाद, यह संयंत्र अब चीन के बाहर एक ही स्थान पर स्थापित दुनिया की सबसे बड़ी और वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से लागू की गई बैटरी भंडारण परियोजना बन गया है। खावड़ा में एजीईएल 30 गीगावाट का एक विशाल नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित कर रहा है, जिसमें से 9.9 गीगावाट पहले ही चालू हो चुका है। यह 3.37 गीगावाट की बीईएसएस क्षमता लगभग 10 लाख घरों को एक दिन तक स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने या 1.2 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों को 10 घंटे तक लगातार ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम है। कंपनी की योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 तक 10 गीगावाट घंटा से अधिक बैटरी भंडारण क्षमता जोड़ने और अगले पांच वर्षों में इसे 50 गीगावाट तक पहुंचाने की है। एजीईएल के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने इस उपलब्धि पर जोर देते हुए कहा, ÷बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के अगले चरण में अहम भूमिका निभाएगा। विश्वसनीय और 24 घंटे स्वच्छ बिजली आपूर्ति के लिए भंडारण अवसंरचना जरूरी है।÷ एजीईएल का कुल परिचालन नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो अब 19.7 गीगावाट है।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

आईपीएल से पंजाब किंग्स के बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगी। श्रेष्ठा को उनके एक पुराने वीडियो के लिए ट्रोल किया जा रहा था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब श्रेष्ठा ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स का मैच बारिश के कारण धुल जाने के बाद एक वीडियो बनाया था। उस वीडियो में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था, जा एक अंक दित्ता (चलिए आपको एक अंक दिया), क्योंकि बारिश के कारण मैच रद्द होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला था, और उस समय पंजाब किंग्स की स्थिति काफी मजबूत थी। पंजाब किंग्स ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर वन की पोजीशन हासिल की थी, लेकिन इसके बाद टीम लगातार छह मैच हार गई। इसके बाद से ही श्रेष्ठा निशाने पर आ गयीं।

सनराइजर्स और रॉयल्स के बीच आज होगी एलिमिनेटर मुकाबले में टक्कर

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

मुल्लांपुर । सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। सनराइजर्स की ताकत उसकी आक्रामक बल्लेबाजी है उसके पास अभिषेक शर्मा , ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 563 रन, हेड ने 393 रन और ईशान किशन ने 569 रन बनाये है। इसके अलावा क्लासेन ने 606 रन बनाये हैं।

इन बल्लेबाजों को हालांकि रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और स्पिनर रवि बिश्नोई से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स ने लीग स्तर में खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करते हुए दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन कर यहां तक का सफर तय किया है जिसके उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से टीम की गेंदबाजी की परेशान भी दूर हुई है। कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर थे पर उनके आने के बाद टीम ने अंतिम सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था जिससे उसे इस मुकाबले के लिए मानसिक रुप से बढ़त मिल गयी है। वहीं रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स का प्रदर्शन लीग स्तर में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है हालांकि टीम ने किया प्रकार से यहां तक क सफर तय कर लिया है। ऐसें में अब वह कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। टीम के पास वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। वैभव ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 397 रन बनाये हैं। ध्रुव जुरेल ने भी 458 रनों की पारी खेली है।

सनराइजर्स के आक्रामक रुख को देखते हुए रॉयल्स की टीम इस मैच में नई रणनीति से उतरेगी। टीम के कोच कुमार संगकारा का कहना है कि इस मैच में पूरी ताकत से उतरेंगी। टीम को उम्मीद रहेगी कि

आर्चर मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करें। इसके अलावानांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा से भी गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं राजस्थान के बल्लेबाजों विशेषकर वैभव पर अंकुश लगाने का प्रयास सनराइजर्स के कमिंस, ईशान मलिंगा करेंगे।

आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नही रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। अक्षर में वह क्षमता नजर नहीं आती। टीम को एक ऐसे कप्तान की आवश्यकता है जो दबाव में भी शांत रहे और सही फैसले ले सके। बतौर कप्तान उनके निजी प्रदर्शन में भी गिरावट आई है। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। रुतुराज गायकवाड़- चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। शुरुआती झटकों के बाद टीम ने वापसी तो की, लेकिन अंततः प्लेऑफ का टिकट नहीं मिला। पूरे सीजन कप्तानी के दबाव का असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर स्पष्ट रूप से दिखा, जहाँ उनका स्ट्राइक रेट 125 से भी कम रहा। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसें में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई।

आईपीए 2026 ऑरेंज कैप की रेस में छाये भारतीय, पर्पल में विदेशी

मुम्बई । आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में जहां भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। वहीं पर्पल कैप की रेस में विदेश खिलाड़ी छाये हुए हैं। कैप का फैसला फाइनल मुकाबले के बाद आयेगा। वहीं कई खिलाड़ी जिनकी टीमें बाहर हो चुकी हैं, वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं पर जो खिलाड़ी अभी भी मैदान में हैं, उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

ऑरेंज कैप की बात करें तो शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से चार भारतीय हैं। इस सूची में सबसे ऊपर साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 638 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। उनके ठीक पीछे शुभमन गिल हैं, जिनके खाते में 616 रन दर्ज हैं, और वे भी इस रेस में प्रबल दावेदार बने हुए हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में एकमात्र खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर केएल राहुल 593 रनों के साथ स दौड़ से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

वहीं, पांचवें पायदान पर मौजूद वैभव सूर्यवंशी ने भी 583 रन बनाए हैं और वे भी अपनी टीम के लिए इस कैप को जीतने की कोशिश करेंगे। इन शीर्ष पांच के अलावा, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय धुरंधर भी शीर्ष 10 में शामिल हैं, जो दिखाते हैं कि ऑरेंज कैप पर भारतीय खिलाड़ी का ही कब्जा होना तय है।

वहीं पर्पल कैप की दौड़ में अंशुल कंबोज 21 विकेट लेकर चौथे स्थान पर थे, लेकिन उनकी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के बाहर होने के कारण वे अब आगे नहीं जा पाएंगे। गेंदबाजों की सूची में भुवनेश्वर कुमार 24 विकेटों के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उनके साथ ही कगिसो रबाडा भी 24 विकेट लेकर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जो यह दर्शाता है कि फाइनल मुकाबले तक यह दौड़ कितनी रोमांचक रहने वाली है। जोफ्रा आर्चर 21 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों के लिए खतरा बने हुए हैं। पांचवें स्थान पर राशिद खान हैं।, जिन्होंने 19 विकेट लिए हैं और अपनी फिरकी गेंदबाजी से कभी भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने बाद भी बाहर है पंजाब

एक दिन शीर्ष पर रही गुजरात खेल रही प्लेऑफ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में पंजाब किंग्स टीम बदकिस्मत रही और 22 दिनों तक शीर्ष पर रहने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं एक दिन ही नंबर एक पर रही गुजरात टाइटंस न केवल प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही बल्कि क्वालीफायर 1 में पहुंची। इससे अंदाज होता है कि खेल में कुछ भी तय नहीं होता आंकड़ों पर गौर करें तो, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया था, पहले 7 में से 6 मैच जीतकर उसने रिकार्ड बनाया था। तब ऐसा लग रहा था कि वे प्लेऑफ में सबसे पहले पहुंचे पर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अगले 6 मैचों में टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह केवल 15 अंकों तक ही पहुंच पायी। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर 16 अंक हासिल कर लिए, जिससे पंजाब किंग्स प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं दूसरे ओर गुजरात टाइटन्स के प्रदर्शन में उतार चढ़ाव बना रहा। वह केवल एक दिन के लिए ही अंकतालिका में नंबर एक पर पहुंची। वहीं अन्य टीमों की बात करें तो, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसी) भी 18 दिनों तक लगाकार नंबर एक पर रही और वह सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंची। र एक पर रही और उन्होंने भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। अंतिम समय में प्लेऑफ में जगह बनाने वाली राजस्थान रॉयल्स कुल 13 दिन अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, 14 में से 9 मैच जीतने के बावजूद एलिमिनेटर में पहुंचने वाली सनराइजर्स हैदराबाद भी 4 दिन नंबर एक पर रही। प्लेऑ के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने क्वालीफाई किया है।यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि आईपीएल की अंक तालिका कितनी अप्रत्याशित हो सकती है। यहां शुरुआती बढ़त या लंबे समय तक शीर्ष पर रहना भी सफलता की गारंटी नहीं होता।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई।

एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली। वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए कुशल मेंडिस को बनाया कप्तान

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी एकदिवसीय और टी20 टीम घोषित कर दी है। दोनो ही प्रारुपों के लिए टीम की कप्तानी कुशल मेंडिस को दी गयी है। नये चयन पैनल ने कहा है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए ये बदलाव लाया गया है। मेंडिस ने पहले भी 17 एकदिवसीय मैचों में देश की कप्तानी की है पर अब उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय की भी कप्तानी दी गयी है। वहीं पहले चरित असलंका और दासुन शनाका कप्तान थे हालांकि टेस्ट टीम की कप्तानी धनंजय डिसिल्वा के पास ही रहेगी। जबकि बाएं हाथ के मध्यक्रम के बल्लेबाज कमिंदु मेंडिस को तीनों ही प्रारुपों में उपकप्तान बनाया गया है।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए घोषित टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। इसमें बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंदरा और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इसिथा विजेसुंदरा को टेस्ट टीम में शामिल किय गया है। ये दोनो ही इस दौरे से डेब्यू करेंगे। सीमित ओवरों की टीम में बल्लेबाज लसिथ क्रूसपुले को भी शामिल किया गया है। है, लसिथ ने पिछले माह न्यूजीलैंड ए टीम के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। शनाका को इस बार केवल टी20 टीम में ही शामिल किया गया है। वहीं असलंका को केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज नुवान तुषारा की टी20 टीम में वापसी हुई है। श्रीलंकाई टीम मंगलवार 26 मई को वेस्टइंडीज के दौरे पर रवाना होगी, जहां उसे दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

टीमें इस प्रकार हैं

टेस्ट टीम पथुम निसांका, लाहिरू उदारा, निशान मदुशंका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेंडिस (उपकप्तान), सोनल दिनुशा, कुसल मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा (कप्तान), मिलन रथनायके, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, इसिथा विजेसुंदरा, कसुन राजिथा।

अनुभवी लेग-स्पिनर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास लिया

चेन्नई।

तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले 35 वर्षीय अनुभवी क्रिकेटर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने छह टीमों की ओर से आईपीएल में भी खेला है। अब इस लेग स्पिनर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। मुरुगन ने सोशल मीडिया पर एक बयान साझा करते हुए अपनी क्रिकेट यात्रा, तमिलनाडु क्रिकेट में अपने उभार और आईपीएल में अपने अनुभवों के बारे में भी बताया है। अश्विन ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷जब से मैंने 6 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया, तभी से मुझे इस खेल से गहरा प्यार रहा है। इसने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे वह इंसान बनाया, जो मैं आज हूं। इसने मुझे मैदान पर अपने को पूरी तरह से व्यक्त करने का मौका दिया है। अब तक का यह सफर अविश्वसनीय रहा है। मैं यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैंने अपने घरेलू क्रिकेट करियर और आईपीएल में अपनी यात्रा को समाप्त करने का फैसला किया है। हालांकि, मैं नई चुनौतियों और अवसरों की तलाश करूंगा और इस खेल को हमेशा की तरह पूरी प्रतिस्पर्धा के साथ खेलना जारी रखने के लिए उत्साहित हूं।÷ गौरतब है कि अपने आईपीएल करियर के दौरान मुरुगन ने राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली डेयरडेविल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स (किंग्स इलेवन पंजाब), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स जैसी छह प्रमुख फ्रेंचाइजियों से खेला है। उन्होंने इस अवसर पर सभी टीमों को धन्यवाद देते हुए लिखा, ÷मैं उन सभी छह टीमों के प्रति अभारी हूं जिनका मैंने अपने आईपीएल करियर के दौरान प्रतिनिधित्व किया था।÷ अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और दिग्गजों की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभवी को भी विशेष बताया। उन्होंने कहा, ÷आईपीएल में मेरे एक दशक लंबे अनुभव ने मुझे इस खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर दिया है। मैंने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों की कप्तानी में खेला है। इन अनुभवों से मुझे एक एक बेहतर क्रिकेटर बनने में सहायता मिली।

आरसीबी को लेकर भावुक हुए यश दयाल , टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे

मुम्बई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से पिछले सत्र में शानदार गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल इस बार निजी कारणों से टीम में नहीं है। यश का कहना है कि वह अपनी टीम को टीवी पर ही खेलते देखे रहे हैं। उन्हें इस बार लीग में नहीं खेल पाने का दुख भी है। इस दौरान इस तेज गेंदबाज ने कई भावुक बातें कही हैं जिससे साफ पता चलता है कि वे टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे हैं। यश ने आरसीबी के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आज भी टीम की कमी खलती है। उन्होंने बताया, जब आप बाहर बैठे हो और टीवी पर मैच देखते हो, तो कभी-कभी मैं बीच में ही खड़ा हो जाता हूं। ये याद करके कि अपनी टीम है।

त्रिशा जॉली पिता ने पहचानी प्रतिभा, बैडमिंटन की खातिर छोड़ा शहर, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया पदक

नई दिल्ली, ।

बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह, वहां राह।' बैडमिंटन की दुनिया में सफलता के नए आयाम छूने की ऐसी ही चाहत भारत की स्टार खिलाड़ी त्रिशा जॉली की भी थी। बैडमिंटन के खेल से इस कदर लगाव हुआ कि ट्रेनिंग के लिए अपना शहर छोड़कर हैदराबाद शिफ्ट हो गईं। कड़ी मेहनत, लगन और दमदार प्रदर्शन के बूते त्रिशा आज इस खेल में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

त्रिशा का जन्म 27 मई, 2003 को केरल में हुआ। बचपन से ही त्रिशा को बैडमिंटन में खास रुचि थी। उनके पिता स्कूल में शारीरिक शिक्षक (पीटी टीचर) थे। त्रिशा की प्रतिभा और इस खेल के प्रति उनके लगाव को पिता ने ही पहचाना। पिता की देखरेख में त्रिशा इस खेल की बारीकियां सीखने लगीं।

हालांकि, **केरल में बैडमिंटन** के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसी वजह से त्रिशा ने हैदराबाद शिफ्ट होने का फैसला किया और यहां आकर उन्होंने गोपीचंद एकेडमी में दाखिला लिया। इसके बाद त्रिशा इस खेल में रमती गईं और उन्होंने धीरे-धीरे नाम कमाना शुरू कर दिया। जूनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया।

हालांकि, त्रिशा को सबसे बड़ी कामयाबी साल 2022 में हाथ लगी। बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में त्रिशा ने गायत्री गोपीचंद के साथ मिलकर महिला युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में त्रिशा के खेल ने उन्हें इंटरनेशनल स्टेज पर पहचान दिलाई। इसी साल ऑल इंग्लैंड ओपन में भी गायत्री संग मिलकर त्रिशा ने शानदार प्रदर्शन किया।

त्रिशा और गायत्री की जोड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। इसके बाद साल 2024 में हुए एशिया टीम चैंपियनशिप में त्रिशा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं और उन्होंने यादगार प्रदर्शन किया। उन्होंने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट का डबल्स खिताब अपने नाम किया।

यह उनका पहला सुपर सीरीज 300

खिताब भी रहा। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा महिला युगल में विश्व रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचीं। त्रिशा से आने वाले वर्षों में देश को और पदक की उम्मीद है। कॉमनवेल्थ गेम्स में वह एक बार फिर दमदार प्रदर्शन से छाप जरूर छोड़ना चाहेंगी।

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया काफी सामान्य है और कई पुरस्कार विजेता अपने व्यक्तिगत शेड्यूल तथा सरकारी आवंटन के आधार पर बाद के चरणों में अपना सम्मान ग्रहण करते हैं।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नोएडा।
थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के बी- ब्लॉक में स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाली 23 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वह फैक्ट्री के अंदर थी, तभी उसके गले में खाने की कोई चीज फंस गई।उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।
थाना प्रभारी अमित काकरान ने बुधवार को बताया कि सलमान की पत्नी लायबा (23) सेक्टर 63 के बी- ब्लॉक में स्थित एक कंपनी में काम करती थी। वह मंगलवार की शाम 5 बजे के करीब कंपनी के अंदर बैठकर कुछ खा रही थी, तभी उसके गले में फंस गयी। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
थाना प्रभारी ने बताया की मौत के कारण का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। मृतका मूल रूप से जनपद सहारनपुर की रहने वाली थी। उन्होंने बताया कि उसके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। अगर वे इस मामले में कोई शिकायत करेंगे तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

नहाने के लिए तालाब में कूदा युवक, डूबने से मौत, शव की तलाश जारी

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना ईकोटेक -3 क्षेत्र के सादुल्लापुर गांव में बीती रात को तालाब में नहाने के लिए कूदे युवक की पानी में डूबने से युवक की मौत हो गई। पुलिस देर रात से आज सुबह तक उसके शव की तलाश कर रही है। आज सुबह से गोताखोर और एनडीआरएफ की टीम इस काम में जुटी है।
थाना इकोटेक-3 के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि थाना जनपद पलवल हरियाणा का रहने वाला 32 वर्षीय कैलाश सादुल्लापुर गांव में रहता था। युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। वह मंगलवार की रात को गांव के तालाब के किनारे पहुंचा और अपने कपड़े उतारकर पानी में कूद गया। सूचना पर पुलिस, फायर, गोताखोर एवं एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। एनडीआरएफ की टीम तालाब में युवक के शव की तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि मृतक की बुआ सादुल्लापुर गांव में रहती है। वह उनके यहां आया था। मृतक का एक भाई विकलांग बताया जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेस वे पर भीषण सड़क हादसे में तीन की मौत,पांच घायल

रायबरेली।
उत्तर प्रदेश के रायबरेली में गंगा एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का रायबरेली एम्स में इलाज चल रहा है। मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।
रायबरेली के सलोन कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर गांव के पास गंगा एक्सप्रेस वे पर मंगलवार देर रात नोएडा से जौनपुर जा रही स्कॉर्पियो ट्रैक्टर से टकरा गई।
हादसे के बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला व प्रतापगढ़ के संग्रामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा,जिनमें समृद्धि (11), सरोज (35) और संगीता (22) की मौत हो चुकी थी। जबकि समर्थ (4), नीरज सिंह (45), प्रतिमा सिंह (35), गुरुचरण सिंह (48) और सविता सिंह (40) गंभीर रूप से घायल हो थे।

सपा विधायक महाराजी प्रजापति के आवास पर देर रात हंगामा, कई लोगों पर एफआईआर दर्ज

अमेठी।
सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर मंगलवार देर रात अमेठी कस्बे के सुल्तानपुर रोड पर आवास विकास कॉलोनी स्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति एवं समाजवादी पार्टी की वर्तमान अमेठी विधायक महाराजी प्रजापति के निवास पर जमकर हंगामा हुआ। आरोप है कि स्कॉर्पियो समेत कई वाहनों से पहुंचे दो दर्जन से अधिक लोगों ने विधायक और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी किया। विधायक पुत्र की तहरीर पर पुलिस मुकदमा पंजीकृत करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर रही है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रजापति परिवार का खास आदमी धीरज पाल जो अभी कुछ ही दिनों पहले जेल से छूट कर बाहर आया है उसके द्वारा समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता शेर बहादुर यादव के खिलाफ फेसबुक पर व्यक्तिगत रूप से अभद्र टिप्पणी की गई थी। जिसको लेकर शेर बहादुर यादव एवं उनके तमाम समर्थकों ने विधायक निवास पहुंचकर गाली गलौज किया। विरोध करने पर आवास पर मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट किए जाने और मोबाइल फोन छीनने का

भी आरोप है। घटना के समय विधायक और उनके बेटे घर पर मौजूद नहीं थे। सूचना मिलने पर विधायक के छोटे बेटे अनुराग प्रजापति समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दिया।
अनुराग प्रजापति ने कोतवाली में तहरीर देकर सपा नेता शेर बहादुर यादव, बृजेश यादव, जय सिंह प्रताप, बलराम यादव, अनुराग यादव, मनु पाल, विपिन यादव, राजेश यादव और शुभम यादव समेत कई अज्ञात लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।तहरीर में कहा गया है कि आरोपी सार्वजनिक कार्यक्रमों और इंटरनेट मीडिया पर लगातार विधायक परिवार के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियां कर रहे थे। आरोप है कि घटना के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी गई। विधायक पुत्र ने मुख्यमंत्री, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।
इस घटना के संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज मिश्र ने बुधवार को बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर भेजा गया था। पुलिस के पहुंचने तक अराजक तत्व मौके से फरार हो गए थे। पीड़ित की तहरीर पर 11 नामजद समेत 2 दर्जन अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है तथा गिरफ्तारी के लिए कई टीमें

आईआईटी कानपुर में "साइबर सुरक्षा के लिए एजेंटिक एआई" पर 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम : प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल

कानपुर।
एजेंटिक एआई भविष्य में साइबर सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने और सुरक्षित डिजिटल व्यवस्था विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह बातें मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर मणीन्द्र अग्रवाल ने कही।
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के सी3आईहब और नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी भोपाल के सहयोग से साइबर सुरक्षा के लिए एजेंटिक एआई विषय पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 25 से 29 जून तक आईआईटी कानपुर स्थित सी3आईहब में आयोजित होगा।
कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आधुनिक साइबर सुरक्षा प्रणालियों की व्यावहारिक जानकारी देना है। इसमें साइबर रक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक, सुरक्षा संचालन केंद्र, वल्नरेबिलिटी असेसमेंट एंड पेनिट्रेशन टेस्टिंग तथा स्वचालित सुरक्षा प्रणालियों में एजेंटिक एआई की भूमिका पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।
संकाय विकास कार्यक्रम विशेष रूप से फैकल्टी सदस्यों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधार्थियों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है। पांच दिवसीय पाठ्यक्रम में एजेंटिक एआई साइबर सुरक्षा की मूल अवधारणाएं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित एथिकल हैकिंग, साइबर फॉरेंसिक एवं एआई आधारित जांच, स्वचालित साइबर रक्षा और एआई आधारित सुरक्षा संचालन केंद्र जैसे विषय शामिल रहेंगे।
कार्यक्रम मिश्रित माध्यम में आयोजित होगा। प्रत्यक्ष भागीदारी के लिए 40 सीटें उपलब्ध हैं, जिनका चयन ह्यपहले आओ, पहले पाओह्न के आधार पर किया जाएगा। कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी कानपुर के सी3आईहब और नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी भोपाल की ओर से संयुक्त प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

कपड़ा दुकान में लगी आग से 25 लाख रुपये का माल जला

जौनपुर ।
उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले की नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित मानिक चौक पर एक कपड़े की थोक दुकान में मंगलवार देर रात संदिग्ध परिस्थितिओ में आग लग गई। इस घटना में लगभग 25 लाख रुपये का तैयार माल जलकर खाक हो गया।
कुमार की है, जो मूल रूप से दूधुरा गांव के निवासी हैं। अरविंद कुमार के अनुसार, आग लगने के समय दुकान में कुल 25 लाख रुपये का माल मौजूद था।

पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपित गिरफ्तार

अमेठी।उत्तर प्रदेश में अमेठी जनपद के थाना जायस क्षेत्र में महिला से मंगलसूत्र लूट की घटना का पुलिस ने महज 10 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है । पुलिस मुठभेड़ के दौरान लूट की वारदात में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए मंगलसूत्र का लॉकिट, तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है।

दो डंपर बने आग का गोला, खालासी जिंदा जला

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मौरंग लेकर कानपुर जा रहा तेज रफ्तार डंपर सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गया, जिससे दोनों डंपर आग का गोला बन गये। टक्कर इतनी भयानक थी कि डंपर की केबिन में खलासी फंस गया और देखते ही वह आग की लपटों में जिंदा ही जल गया। सूचना पाते ही पुलिस और दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में डंपर चालक घायल हो गया, जिसे पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर बुधवार को पोस्टमार्टम कराने की तैयारी की है।
बिंवार थाना क्षेत्र के बांधुर-जलालपुर मार्ग पर एक डंपर खड़ा था। मंगलवार की देर रात करीब ढाई बजे भेड़ी मौरम खदान से एक डंपर बालू लेकर जलालपुर मार्ग से तेज रफ्तार में जा रहा था, तभी सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गया। टक्कर होते ही दोनों डंपरों में आग लग गई। सूचना पाते ही बिंवार थाने का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। दमकल गाड़ी भी आनन-फानन मौके पर पहुंची।डंपर चालक जहांगीराबाद घाटमपुर कानपुर निवासी नईम पुत्र नदीम घायल हो गया। वहीं चालक का साथी खलासी केबिन में फंसकर आग की लपटों में जिंदा ही जल गया। दमकल गाड़ी ने पुलिस की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया। घायल चालक को इलाज के लिए नजदीक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों डंपर भी आग में पूरी तरह से जल गए।

सड़क हादसे में पिता- पुत्र की मौत,महिला घायल

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना रबूपुरा क्षेत्र के चचूरा-दनकौर मार्ग पर बीती रात को एक बाइक सड़क पर खड़े डंपर से टकरा गई। डंपर से टकराने के बाद बाइक अनियंत्रित हो गई और बाइक सवार, उसके पिता और मां सड़क पर गिर गए। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें रौंद दिया। जिससे पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं महिला भी गंभीर रूप से घायल हो गई।
थाना रबूपुरा के प्रभारी निरीक्षक श्याम बाबू शुक्ला ने बताया कि अलीगढ़ के टप्पल थाना क्षेत्र के मानपुर निवासी ओमप्रकाश (50) अपनी पत्नी देवेंद्री (48) और पुत्र अनिल (21) के साथ मंगलवार को किसी काम से बुलंदशहर गए थे। तीनों बाइक पर सवार होकर दनकौर से अलीगढ़-टप्पल की ओर लौट रहे थे। बुलंदशहर बॉर्डर के नजदीक चचूरा-दनकौर मार्ग पर गाड़ी मोड़ने के दौरान बीच सड़क पर खड़े डंपर से उनकी बाइक टकरा गई। बाइक टकराने के कारण पूरा परिवार सड़क पर गिर गया। इससे पहले कि वह संभल पाते, पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने तीनों को रौंद दिया, जिसमें तीनों को गंभीर चोटें आई। पिता और पुत्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर रबूपुरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों घायलों को बुलंदशहर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पिता-पुत्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल महिला को ग्रेटर नोएडा के कांशीराम अस्पताल रेफर किया गया है।
थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची रबूपुरा कोतवाली पुलिस ने बीच सड़क पर खड़े डंपर को कब्जे में ले लिया और उसे थाने ले आई। डंपर के आसपास कोई चालक नहीं था और डंपर पर भी नंबर प्लेट नहीं थी।
डंपर से टकराने के बाद जब दंपती और उनका बेटा जमीन पर गिरे तो वह मामूली घायल हुए थे। लेकिन पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने सभी को रौंद दिया। जिसके कारण उनकी मौत हो गई और महिला गंभीर रूप से घायल है। पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों से बात कर कार की तलाश में जुटी है।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुक्री ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

चार लोगों पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

नोएडा।
थाना सेक्टर- 63 क्षेत्र के 25 फुटा रोड छिजारसी कॉलोनी में रहने वाली विवाहित पूजा पाल की हुई संदिग्ध मौत के मामले में उसके परिजनों ने पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ बुधवार को दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया है। इस मामले में पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी